twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 30 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 173, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पहलगाम: प्रधानमंत्री मोदी ने दी सेना को पूरी छूट

सेना को टारगेट, समय और हमले का तरीका तय करने की पूरी छूट

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार शाम राजधानी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ आपातकालीन सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अहम बैठक को सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद को कुचलने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि सेना को कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूर्ण परिचालन स्वतंत्रता है। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने प्रधानमंत्री को मौजूदा हालात की जानकारी दी और विभिन्न सैन्य विकल्पों पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मधुबनी में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कड़ा संदेश दिया था। उन्होंने इस हमले को भारत की आत्मा पर हमला बताया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं में पूर्ण विश्वास और भरोसा जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें (भारतीय सेना) हमारी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय पर निर्णय लेने की पूरी परिचालन स्वतंत्रता है। बैठक में आतंकियों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन और भविष्य की रणनीति तैयार हुई। पीएम मोदी ने पहले ही आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सेना प्रमुखों के बाद अब मोहन भागवत से मिले प्रधानमंत्री मोदी

पहलगाम हमले के बाद आगे की रणनीति को लेकर दिल्ली में बैठकों का दौर जारी है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। यह मुलाकात पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई है। जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह बैठक मोदी द्वारा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए अजीत डोभाल और तीनों सशस्त्र बलों के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा प्रतिष्ठान की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद हुई। जो 22 अप्रैल को हुए भीषण हमले के बाद व्यापक आतंकवाद विरोधी उपायों का नेतृत्व कर रहे हैं।

एनआईए एक जिप लाइन ऑपरेटर से कर रही पूछताछ

श्रीनगर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) एक जिप लाइन ऑपरेटर की संभावित संलिप्तता के चलते उससे पूछताछ कर रही है जिसे पहलगाम आतंकी हमले के दौरान हुई गोलीबारी के बीच अल्लाहु अकबर का नारा लगाते हुए सुना गया था। इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। स्थानीय लोगों द्वारा मुजम्मिल के रूप में पहचाने गए जिप लाइन ऑपरेटर से एनआईए द्वारा सोमवार से पूछताछ की जा रही है। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है

जिसमें ऑपरेटर 22 अप्रैल को दोपहर 2 बजे बैसरन में आतंकवादियों की गोलीबारी के बीच अल्लाहु अकबर का नारा लगाते हुए सुना गया था। सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय आतंकवाद विरोधी एजेंसी वर्तमान में ऑपरेटर की भूमिका की पुष्टि कर रही है और यह आकलन कर रही है कि हमलावरों से उसका कोई संबंध था या नहीं।

इस बीच सूत्रों ने कहा कि एनआईए ने जम्मू-कश्मीर पुलिस से पहलगाम आतंकी हमले का मामला अपने हाथ में लेने के बाद से कई लोगों से पूछताछ की है जिनमें पीड़ितों के परिवार के सदस्य व घटनास्थल पर मौजूद पर्यटक, टट्टू सवार ऑपरेटर और अन्य शामिल हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रतिनिधि, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

सरकार ने घाटी में 48 गंतव्य पर्यटकों के लिए बंद किए

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को घाटी में 48 गंतव्य पर्यटकों के लिए बंद कर दिए हैं। यह कार्रवाई कश्मीर के पहलगाम शहर के पास बैसरन घास के मैदान में पर्यटकों पर हुए भयानक हमले के बाद की गई है। अन्य स्थलों को उचित सुरक्षा प्रदान की गई है। इनमें से कुछ स्थलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। सरकार के मुताबिक घाटी में कुल 87 गंतव्य हैं, जिनमें से 48 अब बंद हो चुके हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी गई है। श्रीनगर हवाई अड्डे पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी भारी गिरावट देखी गई है। बंद किये गंतव्यों में युसमर्ग, तौसमैदान, डूडपथरी, अहरबल, कौसरनाग, बंगस, करिवान डाइवर चंडीगाम, बंगस वैली, वुलर/वाटलब, रामपोरा और राजपोरा, चेरहर, मुंडिज-हमाम-मरकूट झरना, खाम्पू, बोस्निया, विजीटॉप, सूर्य मंदिर, वेरिनाग गार्डन, सिंथन टॉप, मार्गनटॉप, अकाड पार्क, हब्बा खातून पॉइंट, बाबारेशी, रिंगावली, गोगलदारा, बदेरकोटे, श्रुंज झरना, कामनपोस्ट, नंबलान झरना, इको पार्क खडनियार, संगरवानी, जामिया मस्जिद, बादामवारी, राजोरी कदल, आली कदल, पदशापाल रिसॉर्ट्स, फकीर गुजरी, दारा, अस्तानमार्ग व्यू प्वाइंट, अस्तानमार्ग पैराग्लाइडिंग, ममनेथ और महादेव हिल्स, बौद्ध मठ, दाचीगाम ट्राउट फार्म/मत्स्य पालन से परे खेत, अस्तानपोरा, खास तौर पर कायम गाह रिसॉर्ट, लछपटरी, हंग पार्क और नारानाग हैं।

29 मई को लॉन्च होगा एक्सिओम-4 मिशन

वॉशिंगटन

एक्सिओम-4 मिशन को 29 मई को लॉन्च किया जाएगा, जिसमें भारत के शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। इस मिशन के साथ ही भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इतिहास रचेंगे, क्योंकि वह ड्रैगन अंतरिक्ष यान के जरिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनेंगे। एक्सिओम मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और भारत की इसरो की एक संयुक्त पहल है।

अक्षय तृतीया: 12 टन सोना खरीदी जाएगी

नई दिल्ली

बुधवार यानी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया है। इसे बहुत शुभ माना जाता है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक, अक्षय तृतीया एक शुभ दिवस होता है, जो सफलता और सौभाग्य लेकर आता है। ऐसे में लोग इस दिन धन और समृद्धि का स्वागत करने के लिए सोना खरीदने को शुभ मानते हैं। यह भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन खरीदा गया सोना कभी घटता नहीं, बल्कि सदैव बढ़ता है। अक्षय तृतीया पर 12 टन सोना और 400 टन चांदी की खरीद होने की संभावना है। इस मौके पर 16 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। इस वर्ष अक्षय तृतीया के अवसर पर देशभर में आभूषण बाजार में बिक्री को लेकर मिलाजुला रुझान देखा जा रहा है, क्योंकि सोने की कीमतों में हाल ही में जबरदस्त वृद्धि हुई है। कैट के पदाधिकारियों ने कहा कि इस वर्ष सोने और चांदी की कीमतों में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। इस समय 10 ग्राम सोने का भाव 1,00,000 तक पहुँच गया है, जबकि पिछले वर्ष अक्षय तृतीया पर यही दर 73,500 थी। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि देश में चल रहे विवाह सीजन के कारण आभूषणों की मांग पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। शादी-ब्याह में सोने-चांदी की खरीदारी एक परंपरा है, इसलिए भले ही कीमतें ऊंची हैं, फिर भी ग्राहक जरूरी खरीद कर रहे हैं। ज्वैलर्स ने भी ग्राहकों को आकर्षित ऑफर्स शुरू किये हैं। व्यापारी नेताओं ने ग्राहकों से अपील की कि वे हॉलमार्क वाले प्रमाणित आभूषण ही खरीदें।

डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने पर हो रहा काम: पीएम मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले 25 वर्षों में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि आइडिया से प्रोटोटाइप और फिर प्रोडक्ट तक की यात्रा कम से कम समय में पूरी हो। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में युग्म इनोवेशन कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि आज यहां सरकार, एकेडमी, साइंस और रिसर्च से जुड़े भिन्न-भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही

युग्म कहते हैं।

एक ऐसा युग्म, जिसमें विकसित भारत के फ्यूचर टेक से जुड़े स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा।

दिल्ली: अब नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी

कैबिनेट ने फीस एक्ट को दी मंजूरी, पैरेंट्स को मिली पावर

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी के निजी एवं सरकारी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए विधेयक लाएगी। दिल्ली मंत्रिमंडल ने इसे मंजूरी प्रदान की। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में आज इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने निजी एवं सरकारी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए नए विधेयक को मंजूरी दी है। इसमें दिल्ली के सभी 1677 स्कूलों के

लिए (निजी एवं सरकारी स्कूलों की) फीस को लेकर पूरा दिशानिर्देश और प्रक्रिया तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछली सरकारों ने कभी भी ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया कि दिल्ली में फीस न बढ़े। 1973 के दिल्ली स्कूल एक्ट में फीस को लेकर एक सेक्शन 17(3) है। इसमें ऐसी कोई गाइड लाइन नहीं थी कि प्राइवेट स्कूलों की फीस न बढ़े और जिसके लिए सरकार के पास क्या ताकत है और क्या प्रक्रिया अपनायी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1973 से लेकर आज तक इस पर कोई प्रावधान नहीं हुआ कि स्कूलों में फीस बढ़ने से कैसे रोक जाए लेकिन आज दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक और साहसिक फैसला लिया है। आज हमने कैबिनेट में मसौदा विधेयक पास किया है, जिसमें सभी निजी स्कूलों में फीस को लेकर दिशानिर्देश तय जाएगा। मनमाने ढंग से फीस वृद्धि की शिकायतों पर सख्ती की जानकारी देते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि स्कूलों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनकी सरकार पारदर्शिता और बच्चों के शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। स्कूल प्रशासन द्वारा की जा रही गतिविधियों के कारण बच्चों और उनके अभिभावकों परेशान थे, जिसके लिए यह कदम उठाया गया है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से तैयार प्रारूप में अभिभावकों, स्कूल और प्रबंधन के साथ सरकार की भी भूमिका रहेगी।

पेगासस से जुड़ी रिपोर्ट सार्वजनिक करने का सवाल ही नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई देश राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्पाइवेयर का इस्तेमाल करता है, तो इसमें गलत क्या है । सवाल यह है कि किसके खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है।

एक आम नागरिक के निजता के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस जांच से जुड़ी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के दौरान कहा कि पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक करने का सवाल ही नहीं उठता है। हम इस रिपोर्ट को सड़क पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बना सकते हैं। हम पेगासस से प्रभावित लोगों की मांग पर विचार कर सकते हैं। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर, 2021 में इस मामले पर विशेषज्ञों की एक टीम का गठन किया था। इस टीम की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस रविंद्रन कर रहे थे। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट भी दाखिल की थी। विशेषज्ञ कमेटी ने कहा था कि उसकी रिपोर्ट को प्रकाशित न किया जाए। कमेटी को 29 फोन दिए गए थे, जिसमें पांच में मालवेयर का अंदेशा था।

हालांकि, यह तय नहीं हो पाया कि यह पेगासस ही है।

कमेटी ने तीन हिस्सों में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इनमें से दो रिपोर्ट टेक्निकल कमेटी की है, जबकि एक रिपोर्ट जस्टिस रविंद्रन की थी। रिपोर्ट में कुछ गोपनीय बातें हैं। कुछ निजी सूचनाएं भी हैं।

चारधाम यात्रा को लेकर अलर्ट, मार्गों पर रखी जाएगी निगरानी

देहरादून

गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही बुधवार से प्रारंभ होने जा रही चारधाम यात्रा पर शासन संजीदगी से नजर बनाए हुए है। इसी कड़ी में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में चारधाम यात्रा की तैयारियों को परखा। साथ ही निर्देश दिए कि उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा जाए।

तीर्थयात्रियों की सुरक्षित व सुखद यात्रा और सकुशल वापसी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा के लिए उत्तरकाशी के जिलाधिकारी को शुभकामनाएं भी दीं।

यात्रा मार्गों पर ओवररेटिंग पर रखी जाएगी निगरानी

मुख्य सचिव ने चारधाम यात्रा मार्गों पर सब्जी, राशन, गैस समेत आवश्यक सामग्री की आपूर्ति करने वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई। साथ ही यात्रा मार्गों पर ओवररेटिंग पर निगरानी रखने और इसके लिए तंत्र बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या के लिए मंडलायुक्त और आइजी एकल संपर्क बिंदु होंगे। उन्होंने चारों धामों में स्वास्थ्य सुविधा की तैयारियों की जानकारी भी स्वास्थ्य सचिव से ली। उन्होंने केदारनाथ में नवनिर्मित अस्पताल को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रपति ने जस्टिस बीआर गवई को देश का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जस्टिस बीआर गवई को देश का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया है। वर्तमान चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने केंद्र सरकार को उनके नाम की सिफारिश भेजी थी। जस्टिस खन्ना 13 मई को रिटायर हो रहे हैं। जस्टिस गवई 14 मई को चीफ जस्टिस पद की शपथ लेंगे। जस्टिस गवई लगभग छह महीने तक चीफ जस्टिस के पद पर रहेंगे। जस्टिस बीआर गवई ने 16 मार्च 1985 से वकालत शुरू की थी। वे 1987 से 1990 तक बांबे हाई कोर्ट और 1990 से बांबे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में प्रैक्टिस की। अगस्त 1992 से लेकर जनवरी 2000 तक उन्होंने बांबे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच में महाराष्ट्र सरकार के वकील के तौर पर काम किया। 14 नवंबर 2003 को उन्हें बांबे हाईकोर्ट का जज नियुक्त कया गया।

आतंकी हमले पर सपा नेताओं का बयान शर्मनाक: सीएम योगी

लखनऊ

देवरिया में वर्ष 2017 से पहले बीमारी, गुंडागर्दी, अराजकता, अव्यवस्था का माहौल था। उस दौरान त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से नहीं मनाए जा सकते थे। उस समय नौजवान पलायन और किसान आत्महत्या के लिए मजबूर होता था। यहां पर मुसहर, वनटांगिया जैसी तमाम जातियां भूखमरी का शिकार थीं। वहीं उस दौरान जो सत्ता में थे, वह चैन की बंसी बजा रहे थे क्योंकि वह स्वयं के परिवार तक ही सीमित रह गये थे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को देवरिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इससे पहले सीएम ने बटन दबाकर 676 करोड़ की 501 परियोजनाओं में से 341 परियोजनाओं का लोकार्पण और 160 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान

सीएम योगी ने सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण की चेक, स्वयं सहायता समूह की दीदियों को 7 करोड़ 87 लाख 50 हजार धनराशि का चेक, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना की चाबी, ट्रैक्टर की चाबी, पट्टा योजना के तहत 37 लाभार्थियों को पट्टा, दिव्यांग पेंशन, निराश्रित पेंशन की चेक सौंपी। वहीं हाईस्कूल में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रीति कुशवाहा और इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली श्वेता प्रसाद को प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही डबल इंजन की सरकार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले पर समाजवादी पार्टियों के नेताओं के काफी शर्मनाक बयान सामने आए हैं। उनके बयान से यह पता लगाने में काफी मुश्किल हो रही है कि वह सपा के नेता का बयान है या फिर पाक का प्रवक्ता बयान दे रहा है। सीएम ने कहा कि सोमवार को मुंबई में सपा के एक पदाधिकारी ने शर्मनाक बयान दिया। सीएम ने कहा कि आतंकवादियों ने कानुपर के शुभम द्विवेदी की निर्मम हत्या कर दी। सपा अध्यक्ष से उनके घर पर न जाने की वजह पूछी तो उन्होंने जवाब दिया कि वह हमारी पार्टी का नहीं था। यह बयान काफी दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। सीएम ने कहा कि पूरा देश पार्टी लाइन से ऊपर उठकर घटना की निंदा कर रहा है और सपा के नेता दुर्भाग्यपूर्ण बयान दे रहे हैं। सपा का एक राष्ट्रीय महासचिव बयान देता है कि हिंदू ने ही हिंदू को मारा है यानी पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की कुत्सित चेष्टा की जा रहा है। सीएम ने कहा कि सपा और कांग्रेस के नेता जातिवाद, विभाजनकारी और तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं पूरा देश एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट का वक्फ अधिनियम से जुड़ी नई याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाली एक दर्जन से अधिक जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करने से मंगलवार को साफ इनकार कर दिया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि इस मामले में पहले ही पांच याचिकाओं पर सुनवाई का आदेश दिया जा चुका है और अब कोई नई याचिका स्वीकार नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि ज्यादातर याचिकाएं एक-दूसरे से मिलती-जुलती हैं और कुछ तो पूरी तरह कॉपी की गई हैं। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ताओं को सलाह दी कि अगर उनके पास कोई नया या अतिरिक्त आधार है, तो वे इस मामले में अलग से इंटरवेंशन एप्लिकेशन दाखिल कर सकते हैं। सीजेआई जस्टिस संजीव खन्ना ने स्पष्ट कहा, हम इस मामले में अब और याचिकाएं नहीं सुनना चाहते। इसके साथ ही कोर्ट ने नई याचिकाओं को खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में कई प्रमुख संगठनों और व्यक्तियों के नाम शामिल थे। इनमें कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओब्रायन, जम्मू-

कश्मीर की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), मुस्लिम एडवोकेट्स एसोसिएशन और ऑल रिलीजियस इफिनिटी मूवमेंट जैसी संस्थाएं शामिल थीं। ये याचिकाएं वक्फ अधिनियम में हाल में किए गए संशोधनों की वैधता और इसके प्रावधानों को लेकर सवाल उठा रही थीं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला वक्फ अधिनियम से जुड़े विवादों को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। खंडपीठ ने पहले से चुनी गई पांच याचिकाओं पर सुनवाई को प्राथमिकता देने का फैसला किया है, ताकि इस मामले में जल्द और स्पष्ट निर्णय लिया जा सके। शीर्ष अदालत का मानना है कि बार-बार एक ही तरह की याचिकाएं दाखिल करने से न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी हो रही है। बता दें कि वक्फ अधिनियम को लेकर दायर याचिकाएं लंबे समय से चर्चा में हैं। ये याचिकाएं अधिनियम के कुछ प्रावधानों को असंवैधानिक बताते हुए इसे चुनौती दे रही हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अब साफ कर दिया है कि वह केवल सीमित और मौलिक याचिकाओं पर ही ध्यान देगा। इस फैसले से उन याचिकाकर्ताओं को झटका लगा है, जिनकी याचिकाएं खारिज की गई हैं।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने घाटी में 48 गंतव्य पर्यटकों के लिए बंद किए

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को घाटी में 48 गंतव्य पर्यटकों के लिए बंद कर दिए हैं। यह कार्रवाई कश्मीर के पहलगाम शहर के पास बैसरन घास के मैदान में पर्यटकों पर हुए भयानक हमले के बाद की गई है। अन्य स्थलों को उचित सुरक्षा प्रदान की गई है। इनमें से कुछ स्थलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। सरकार के मुताबिक घाटी में कुल 87 गंतव्य हैं, जिनमें से 48 अब बंद हो चुके हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी गई है। श्रीनगर हवाई अड्डे पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी भारी गिरावट देखी गई है। बंद किये गंतव्यों में युसमर्ग, तौसमैदान, डूडपथरी, अहरबल, कौसरनाग, बंगस, करिवान डाइवर चंडीगाम, बंगस वैली, वुलर/वाटलब, रामपोरा और राजपोरा, चेरहर, मुंडिज-हमाम-मरकूट झरना, खाम्पू, बोस्निया, विजीटॉप, सूर्य मंदिर, वेरिनाग गार्डन, सिंथन टॉप, मार्गनटॉप, अकाड पार्क, हब्बा खातून पॉइंट, बाबारेशी, रिंगावली, गोगलदारा, बदेरकोटे, श्रुंज झरना, कामनपोस्ट, नंबलान झरना, इको पार्क खडनियार, संगरवानी, जामिया मस्जिद, बादामवारी, राजोरी कदल, आली कदल, पदशापाल रिसॉर्ट्स, फकीर गुजरी, दारा, अस्तानमार्ग व्यू प्वाइंट, अस्तानमार्ग पैराग्लाइडिंग, ममनेथ और महादेव हिल्स, बौद्ध मठ, दाचीगाम ट्राउट फार्म/मत्स्य पालन से परे खेत, अस्तानपोरा, खास तौर पर कायम गाह रिसॉर्ट, लछपटरी, हंग पार्क और नारानाग हैं।

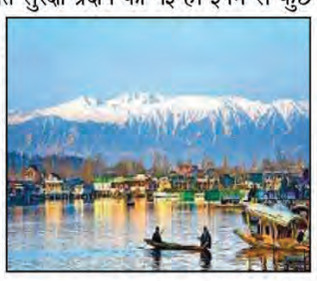

सीमा हैदर को पाकिस्तान भेजने पर फिलहाल कोई आदेश नहीं, पुलिस कर रही है आदेश का इंतजार

ग्रेटर नोएडा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार ने भारत में पाकिस्तानी नागरिकों को दी जा रही सुविधाएं समाप्त कर दी हैं। इसके चलते भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। हालांकि, सूत्रों की मानें तो नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से दाखिल हुई सीमा हैदर का नाम उन लोगों की सूची में शामिल नहीं है, जिन्हें पाकिस्तान भेजा जाना है। नोएडा पुलिस के अनुसार, सीमा हैदर के संबंध में अभी तक केंद्र सरकार से कोई विशेष आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही आदेश मिलेगा, आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि सीमा हैदर मई 2023 में नेपाल के रास्ते अपने चार बच्चों के साथ भारत आई थीं। यहां आकर उन्होंने सचिन मीणा से हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह भी किया और हाल ही में उनके एक बच्चे का जन्म भी हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान के नागरिकों को वीजा छूट खत्म होने से सीमा हैदर के मामले पर भी सवाल उठने लगे हैं। लेकिन चूंकि सीमा वीजा के जरिए भारत नहीं आई थीं और उनका मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए वर्तमान आदेश का उन पर सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पाकिस्तानी हैकर्स का राजस्थान में साइबर अटैक, राज्य सरकार की तीन वेबसाइट्स हैक

जयपुर। पाकिस्तानी हैकर्स ने राजस्थान सरकार की तीन वेबसाइटों को निशाना बनाया और उन पर भारत विरोधी संदेश लिख दिए। पाकिस्तानी साइबर अपराधियों ने राज्य में कई सरकारी वेबसाइटों को निशाना बना चुके हैं, जिनमें नवीनतम निशाना शिक्षा विभाग के आधिकारिक पोर्टल है। मंगलवार को राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इस घटना का संज्ञान लिया और विभाग की सूचना प्रौद्योगिकी शाखा को सक्रिय कर दिया। हैक की गई वेबसाइट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया, जबकि रिकवरी ऑपरेशन चल रहा है। साइबर सुरक्षा एजेंसियों को भी सूचित कर दिया गया है। जिम्मेदार हैकिंग समूह की पहचान करने और किसी भी संभावित डाटा उल्लंघन का आकलन करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अभी तक किसी भी संवेदनशील डेटा लीक की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी विभागीय प्रणालियों का व्यापक ऑडिट जारी है। यह घटना हुए एक ऐसे ही साइबर हमले के बाद हुई, जिसमें हैकरों ने स्थानीय स्वशासन विभाग (डीएलबी) और जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की वेबसाइटों पर हमला किया था और उन पर पाकिस्तान समर्थक प्रचार सामग्री लगा दी थी। अब उन दोनों वेबसाइटों को बहाल कर दिया गया है। एक पोस्ट में, 'पाकिस्तान साइबर फोर्स' का हिस्सा होने का दावा करने वाले हैकर्स ने पहलगाम में हाल की आतंकवादी घटना का हवाला देते हुए भारत के बारे में भड़काऊ टिप्पणी की। शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि शिक्षा विभाग की वेबसाइट को जल्द ही बहाल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में उल्लंघनों को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि यह घटना भू-राजनीतिक तनाव के साथ-साथ साइबर युद्ध के बढ़ते खतरे को रेखांकित करती है। यह सरकारी प्लेटफार्मों पर डिजिटल सुरक्षा बढ़ाने की तत्काल जरुरत को पर प्रकाश डालती है।

भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने वाला पहला देश बन सकता है : ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट

'हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा।'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले 25 वर्षों में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि आइडिया से प्रोटोटाइप और फिर प्रोडक्ट तक की यात्रा कम से कम समय में पूरी हो। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में युग्म इनोवेशन कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि आज यहां सरकार, एकेडमी, साइंस और रिसर्च से जुड़े भिन्न-भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही युग्म कहते हैं। एक ऐसा युग्म, जिसमें विकसित भारत के फ्यूचर टेक से जुड़े स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 वर्षों की समयसीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। इसलिए ये जरुरी है कि हमारे आइडिया की प्रोटोटाइप से प्रोडक्ट तक की यात्रा भी कम से कम समय में पूरी हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रयोगशाला से बाजार तक की दूरी कम करने से लोगों तक शोध के परिणाम तेजी से पहुंचते हैं,

शोधकर्ताओं को प्रेरणा मिलती है और उनके काम के लिए ठोस प्रोत्साहन मिलता है। इससे शोध, नवाचार और मूल्य संवर्धन के चक्र में तेजी आती है। प्रधानमंत्री ने एक मजबूत शोध पारिस्थितिकी तंत्र का आह्वान किया और शैक्षणिक संस्थानों, निवेशकों और उद्योग से शोधकर्ताओं का समर्थन और मार्गदर्शन करने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को सलाह देने, वित्त पोषण प्रदान करने और सहयोगात्मक रूप से नए समाधान विकसित करने में उद्योग के नेताओं की संभावित भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए नियमों को सरल बनाने और मंजूरी को तेज़ करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है और शिक्षा प्रणाली युवाओं को देश के भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि सरकार भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुसार आधुनिक बनाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक शिक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आने के बाद भारतीय एजुकेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।उन्होंने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, शिक्षण सामग्री और कक्षा एक से सात तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन पूरा होने की जानकारी दी।

उन्होंने पीएम ई-विद्या और दीक्षा प्लेटफार्मों के तहत एआई-आधारित और स्केलेबल डिजिटल शिक्षा अवसंरचना मंच - एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षा अवसंरचना के निर्माण पर प्रकाश डाला, जिससे 30 से अधिक भारतीय भाषाओं और सात विदेशी भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार करना संभव हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क ने छात्रों के लिए एक साथ विविध विषयों का अध्ययन करना आसान बना दिया है।

दिल्ली-एनसीआर : मौसम विभाग ने 1 और 2 मई को तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी

इसके अलावा बादलों के साथ सूरज की लुका-छिपी के चलते अधिकतम पारे में गिरावट दर्ज की जाएगी।

एजेंसी

नोएडा। मौसम में लगातार बदलाव के चलते एनसीआर के लोगों को कभी तेज धूप और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ अचानक आसमान में छाए बादलों से कुछ देर के लिए लोगों को राहत जरूर मिलती दिखाई देती है। 1 और 2 मई को मौसम विभाग ने आंधी-तूफान के साथ-साथ तेज बारिश होने की संभावना भी जताई है। इसके अलावा बादलों के साथ सूरज की लुका-छिपी के चलते अधिकतम पारे में गिरावट दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक शनिवार यानी 29 अप्रैल को अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 29 और 30 अप्रैल को आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। 30 अप्रैल को अधिकतम तापमान

40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 1 मई को अलर्ट जारी किया गया है, जिसके मुताबिक तेज आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश का भी सामना एनसीआर के लोगों को करना पड़ेगा। इस दिन अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। 1 मई को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। ठीक ऐसे ही अगले दिन 2 मई को भी तेज बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया गया है और इस दिन भी अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 3 मई को भी अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री बने रहने की संभावना है। ठीक ऐसे ही 4 मई को भी अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री बने रहने की संभावना जताई गई है, लेकिन 5 मई से एक बार फिर पारे में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी।

भजनलाल ने की जेपी नड्डा से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार रात को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे पी नड्डा से मुलाकात की है।श्री शर्मा अपने दिल्ली प्रवास के दौरान सोमवार रात श्री नड्डा से मुलाकात की जो उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्री नड्डा को राज्य सरकार द्वारा राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, चिकित्सा शिक्षा के विस्तार एवं जन स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी। साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार एवं भविष्य की योजनाओं पर सार्थक चर्चा की गई।

पाकिस्तानी सेना ने लगातार पांचवीं रात कश्मीर नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान और भारत के बीच लगातार पांचवीं रात गोलीबारी हुई। सेना ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम उल्लंघन की खबरें कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामुल्ला जिलों और जम्मू के अखनूर सेक्टर से आई हैं। सेना ने मंगलवार को कहा, 28-29 अप्रैल 2025 की रात को, पाकिस्तानी सेना ने कुपवाड़ा और बारामुल्ला जिलों के साथ-साथ अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सेना ने उकसावे का जवाब दिया। गोलीबारी के दौरान किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कश्मीर में नियंत्रण रेखा के अलावा, पाकिस्तान ने जम्मू के पुंछ क्षेत्र में छोटे हथियारों से गोलीबारी की थी।

पहलगाम हमले को मोदी-शाह का साजिश वाले बयान के बाद एमएलए अमीनुल इस्लाम गिरफ्तार

देशद्रोही बयान देने पर अब तक 16 गिरफ्तार

एजेंसी

गुवाहाटी। पहलगाम के हमले को लेकर देश में सियासी भूचाल की स्थिति बनी हुई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। सियासत के इस बवंडर की चपेट में असम के धिंग से विधायक हाजी अमीनुल इस्लाम आ गए हैं। 23 अप्रैल को दिए गए उनके बयान ने न केवल राज्य में सियासी हलचल मचा दी, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार को सख्त कार्रवाई के लिए भी मजबूर कर दिया। इस बयान के बाद असम पुलिस ने एमएलए हाजी अमीनुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया है। पुलवामा हमले की तरह ही, अमीनुल इस्लाम ने पहलगाम कांड को भी 'सरकारी साजिश' करार देते हुए कहा था कि

> **दो बार विधायक रह चुके हैं और AIUDF के पुराने नेताओं में गिने जाते हैं। वे हमेशा ही मुखर और विवादास्पद बयानों के लिए चर्चा में रहे हैं।**

केंद्र सरकार बार-बार ऐसी घटनाओं को अंजाम देकर हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति करती है। नगांव में प्रचार के दौरान उनके 2 मिनट 45 सेकंड के बयान में उन्होंने कहा- 'अगर केंद्र सरकार पहलगाम मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराती तो हम मानेंगे कि ये मोदी-शाह की साजिश थी।इस बयान के बाद 24 अप्रैल को असम पुलिस ने उन पर राजद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का मामला दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। ष्टरू हिमंता बिस्वा सरमा ने सख्त लहजे में कहा :'देश की एकता पर सवाल उठाने वाले ऐसे गद्दारों को बख्शा नहीं जाएगा।' BJP ने इस बयान को 'राष्ट्रविरोधी' करार देते हुए तुरंत कार्रवाई की मांग की, जबकि अमीनुल की पार्टी AIUDF ने खुद को बयान से अलग कर लिया। पार्टी ने कहा कि यह अमीनुल के निजी विचार हैं, पार्टी की नहीं।

16 गिरफ्तारियां और बढ़ती सख्ती: अमीनुल इस्लाम अकेले नहीं हैं जिन्हें इस मामले में अरेस्ट किया गया। पहलगाम हमले के बाद असम में अब तक 16 लोगों को 'उकसावे और देशद्रोही बयान' देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सोशल मीडिया पर 'भड़काऊ पोस्ट' और विडियो बयानों के आधार पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं। हाजी अमीनुल इस्लाम असम की राजनीति का जाना-पहचाना चेहरा हैं।

पहलगांव हमले में मारे गए 6 निर्दोष नागरिकों के परिजनों को 50-50 लाख देगी महाराष्ट्र सरकार

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट की बैठक में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए महाराष्ट्र के 6 निर्दोष नागरिकों के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक मदद किए जाने का निर्णय लिया है। साथ ही इस घटना के प्रभावितों को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद किए जाने का भी निर्णय लिया है। राज्य सरकार इस घटना में मृतक जगदाले की बेटी को सरकारी नौकरी देने का भी निर्णय कैबिनेट की बैठक में लिया है। पहलगांव में हुए आतंकी हमले में कुल 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। इनमें महाराष्ट्र के छह लोगों की मौत हुई थी। इनमें हेमन्त सतीश जोशी (ठाणे), अतुल श्रीकांत मोने (मुंबई), संजय लक्ष्मण लेले (ठाणे), दिलीप देसले (पनवेल), संतोष जगदाले (पुणे) और कौस्तुभ गनबोटे (पुणे की जान चली गई थी। आज कैबिनेट की बैठक में इन छह लोगों के आतंकी हमले में निधन होने पर श्रद्धांजलि दी गई।

आज यूपी माफिया, दंगा, गुंडा और अपराध मुक्त भी है - सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 8 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप मजबूती के साथ सफलता की ओर कदम बढ़ाए हैं। बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे यह यात्रा अनवरत जारी रहेगी। आज उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे का सबसे बड़ा नेटवर्क है। सर्वाधिक मेट्रो का संचालन उत्तर प्रदेश कर रहा है। रेलवे का सबसे बड़ा नेटवर्क यूपी के पास है। देश की पहली रैपिड रेल यूपी में चल रही है और देश का पहला इनलैंड वॉटरवेज यूपी में है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा संचालित 45 से अधिक स्कीम को उत्तर प्रदेश लीड करता है। यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है और नया उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को धरातल पर उतार कर अपने सामर्थ्य को देशवासियों के सामने रख रहा है। सीएम योगी ने

मंगलवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश जो 2017 में सातवीं अर्थव्यवस्था था, आज देश की नंबर दो अर्थव्यवस्था बन चुका है। एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने के लिए उत्तर प्रदेश ने जो कदम बढ़ाए हैं, उसको आगे बढ़ाते हुए हम मानकर चलते हैं कि 2029 में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनेगा। उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में अपने आप को स्थापित करेगा।सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है और देश का हृदय स्थल भी है। भारत की आत्मा उत्तर प्रदेश में निवास करती है, लेकिन जिन लोगों का एजेंडा विकास नहीं था, जिन लोगों ने उत्तर प्रदेश की इस आत्मा को पहचानने का कभी प्रयास नहीं किया, वह लोग उत्तर प्रदेश के बारे में अपने एजेंडे को जबरन उत्तर प्रदेश पर थोपते थे। इसके चलते उत्तर प्रदेश जो व्यापक संभावनाओं वाला प्रदेश था, वह 2014 के पहले पहचान के संकट से गुजर रहा था। नौजवान पहचान के लिए मोहताज हो गया, अन्नदाता किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो गया, यहां का श्रमिक भुखमरी का शिकार हो गया, बेटी और व्यापारी दोनों की सुरक्षा में सेंध लग चुकी थी, पर्व और त्योहार दहशत के माहौल में मनाने को मजबूर होना पड़ता था। उत्तर प्रदेश की पहचान एक सामर्थ्यवान और असीम संभावनाओं वाले प्रदेश के रूप में नहीं बल्कि एक बीमारू राज्य के रूप में होने लगी। 2017 से पहले सत्ता का संचालन करने वाले लोग चाहते ही नहीं थे कि उत्तर प्रदेश का कुछ हो।

संसद के विशेष सत्र की मांग, पहलगाम आतंकी हमले पर शोक और एकजुटता दर्शाने का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) सांसद पी. संदोष कुमार ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर संसद का एक विशेष सत्र आयोजित करने की मांग की है। इस हमले में कई निर्दोष लोगों की जान गई थी। संदोष कुमार केरल से राज्यसभा के सदस्य हैं। कुमार ने पत्र में लिखा है कि घटना ने पूरे देश की सामूहिक चेतना को हिला कर रख दिया है। संसद लोगों की सर्वोच्च आवाज है। ऐसे कठिन समय में यह आवश्यक है कि हम एकजुट होकर शोक व्यक्त करें। आतंकवाद के खिलाफ अपनी अडिग संकल्पना को दोहराएं। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने आग्रह किया कि सरकार उनकी इस मांग पर गंभीरता से विचार करे। इससे सभी सांसद मिलकर इस दुखद घटना के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे। उन्होंने विशेष सत्र की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए कहा, यह सत्र सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों को एक साथ लाने का एक अवसर होगा, ताकि हम इस त्रासदी पर शोक व्यक्त कर सकें और यह स्पष्ट संदेश भेज सकें कि भारत एकजुट, दृढ़ और आतंकवादियों के खिलाफ खड़ा है। सांसद संदोष ने अपील की कि हम सभी दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोगों की भावना और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करें।

नरेश टिकैत का बयान देश विरोधी ताकतों का समर्थन, जांच हो: भारतीय किसान संघ

नई दिल्ली। भारतीय किसान संघ ने भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत के बयान की निंदा की है। किसान संघ ने एक बयान में कहा है कि भारतीय किसान यूनियन के नेता का बयान देश विरोधी ताकतों का समर्थन है। इसकी जांच होनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोषों की हत्या के बाद भारत सरकार ने कड़ा कदम उठाते पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इस फैसले को किसान नेता नरेश टिकैत ने गलत बताया है। उन्होंने कहा कि संधि जारी रहनी चाहिए। हम इसके खिलाफ हैं। हम किसान हैं और हर किसान को पानी मिलना चाहिए देश के सबसे बड़े किसान संगठन भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि भारतीय किसान यूनियन के नेताओं का बयान देशविरोधी ताकतों का समर्थन है। उन्होंने मांग की कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि किसके इशारे पर इस प्रकार के पाकिस्तान समर्थक बयान दिए जा रहें हैं। मिश्रा ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे बयानों से आतंकवादियों और देश विरोधी शक्तियों को बल मिलता है। देश के दुश्मनों को जड़ से खत्म कर देना ही इस समस्या का हल है। इन तथाकथित नेताओं के बयान का भारत का किसान विरोध करेगा।

पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों को दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में वर्ष 2025 के लिए पद्म पुरस्कारों का वितरण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत तमाम नेताओं ने पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले विभूतियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरस्कार समारोह में भाग लेने की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'नागरिक अलंकरण समारोह-द्ध में भाग लिया, जहां पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी क्षेत्रों के उत्कृष्ट व्यक्तियों को उनकी सेवा और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।' केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित लोगों को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'अपने चुने हुए क्षेत्रों में बहुमूल्य योगदान के माध्यम से, उन्होंने हमारे समाज के जमीनी स्तर पर सार्थक बदलाव लाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पद्म पुरस्कारों को फिर से परिभाषित किया है और समारोह का फोकस परिवर्तन निर्माताओं और सामाजिक नवप्रवर्तकों को सम्मानित करने पर केंद्रित किया है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह सम्मान उनकी यात्रा को और गति देगा और अधिक लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।'

क्लब के बाहर हुई गोलीबारी का आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली की प्रीत विहार थाना पुलिस ने इलाके में क्लब के बाहर हुई गोलीबारी में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पूर्वीजिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि आरोपित की पहचान अफाक के रूप में हुई है। इसके पास से पुलिस को एक पिस्टल बरामद हुई है। मामले में पुलिस अफाक के एक सहयोगी साहिल की तलाश कर रही है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि करीब पांच दिन पहले उसका व उसके दोस्त साहिल का क्लब के बाउंसरों, क्लब मालिक परमेंदर से झगड़ा हुआ था। इस दौरान क्लब स्टाफ व मालिक ने उनकी पिटाई करने के साथ ही उनको बुरी तरह अपमानित करके क्लब से भगा दिया था।

भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की दूसरी खेप सौंपी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली की दूसरी खेप फिलीपींस को सौंप दी है। इसी के साथ भारत और फिलीपींस के बीच 2022 में किया गया अनुबंध पूरा हो गया है, जो 374 मिलियन डॉलर से अधिक का सबसे बड़ा और पहला विदेशी सौदा था। भारतीय वायु सेना के ताकतवर सी-17 ग्लोबमास्टर ने मिसाइल की खेप लेकर हिंडन एयरफोर्स से उड़ान भरी थी और अब यह विमान फिलीपींस वायु सेना के क्लार्क एयरबेस पर उतर चुका है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) ने 28 जनवरी, 2022 को फिलीपींस गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के साथ तीन मिसाइलों के लिए एक औपचारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। भारत से सुपरसोनिक मिसाइल खरीदने के लिए 374 मिलियन डॉलर से अधिक का यह सबसे बड़ा और पहला विदेशी सौदा था। भारत (डीआरडीओ) और रूस (एनपीओएम) के संयुक्त उद्यम ने सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस विकसित की है। ब्रह्मोस मिसाइल के

सौदे पर भारत और फिलीपींस के बीच वर्षों से बातचीत चल रही थी। दोनों देशों ने 03 मार्च, 2020 को प्रमुख रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए थे। भारत ने पिछले साल 19 अप्रैल को विश्व की सबसे तेज क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की पहली खेप के रूप में एक बैटरी फिलीपींस को सौंपी थी। इस ब्रह्मोस की रेंज 290 किमी (180 मील) है, जिसे जमीन, समुद्र और पनडुब्बी से दागा जा सकता है। दूसरी खेप की डिलीवरी ऐसे समय में हुई है, जब मनीला और बीजिंग के बीच कूटनीतिक और सुरक्षा संबंध दक्षिण चीन सागर में लगातार झड़पों के कारण तनावपूर्ण हैं। फिलीपींस के रक्षा सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो ने कहा कि भारत से खरीदी गई मिसाइल फिलीपींस सेना के आधुनिकीकरण कार्यक्रम का हिस्सा है, जिससे चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच देश की तटीय रक्षा क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। भारत के साथ मिसाइल का यह सौदा पूरा करने के बाद फिलीपींस दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ दशकों से चल रहे क्षेत्रीय विवादों के साथ-साथ सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी सेना के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अब फिलीपींस अपनी लड़ाकू क्षमता बढ़ाने के लिए भारत से उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों के एक बैच खरीद रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) 5.5 टन भार वर्ग में एक जुड़वां इंजन, बहु-भूमिका, बहु-मिशन नई पीढ़ी का हेलीकॉप्टर है और इसे विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए एक प्रभावी प्लेटफ़ॉर्म माना जाता है। फिलीपींस दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार है। पिछले कुछ वर्षों के भीतर खासकर समुद्री क्षेत्र में द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों में तेजी आई है। फिलीपींस दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) का एक प्रमुख सदस्य भी है, जिसके साथ पिछले एक दशक में भारत के संबंधों में बड़ा विस्तार हुआ है। फिलीपींस ने भारत से आकाश एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम भी खरीदने के लिए रुचि दिखाई है। स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर का निर्यात बढ़ाने के प्रयासों के बीच आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली ने भारत को एयरोस्पेस की दुनिया में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

दिल्ली में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री वय वंदना योजना शुरू, सीएम ने वरिष्ठ नागरिकों को दिए कार्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री वय वंदना योजना की शुरुआत करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राजधानी के वरिष्ठ नागरिकों को वय वंदना योजना (वीवीवाई) कार्ड वितरित किए। इस योजना के तहत सबसे पहला कार्ड राम सिंह नेगी, दूसरा वेद सिंह और तीसरा राजेन्द्र कुमार समेत कई लोगों को दिया गया। वीवीवाई कार्ड वितरण का मुख्य समारोह दिल्ली के त्याग राज स्टेडियम में किया गया। इस मौके पर दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, दिल्ली के सभी भाजपा सांसद, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह और उपमहापौर जय भगवान यादव मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार का यह पहला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल के तहत अब राष्ट्रीय राजधानी में वय वंदना योजना लागू हो गई है। इस योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 10 लाख रुपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य उपचार प्रदान किया जाएगा। यह कवच केवल दवाइयों और अस्पतालों तक सीमित नहीं है बल्कि यह उनके प्रति हमारी अटूट श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि यह दिल्ली के लिए बहुत खुशी का दिन है। दिल्ली सरकार अपने सभी माता-पिता को सम्मान, न्याय और सुविधा प्रदान कर रही है। दिल्ली के लोग केवल अपना आधार कार्ड लेकर जाएंगे और अपना पंजीकरण इस योजना में करवा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान वय वंदना योजना हमारे समाज के उन वयोवृद्ध बुजुर्गों के प्रति एक हृदयस्पर्शी सलाम है, जिनके कांपते कंधों ने कभी हमारे सपनों को आकार दिया, जिनके थके पांवों ने हमें जीवन की राह दिखाई।

खरगे, राहुल ने पहलगाम आतंकी हमले पर लिखा प्रधानमंत्री को पत्र, संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले से उपजे देशव्यापी गुस्से के मद्देनजर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। दोनों ने प्रधानमंत्री मोदी से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 28 अप्रैल को लिखे पत्र में प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन जरूरी है। इसलिए संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र यथाशीघ्र बुलाया जाए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी ऐसा ही पत्र प्रधानमंत्री मोदी को लिखा है। उन्होंने भी प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द

बुलाया जाए। पत्र में कहा गया है, 'इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना चाहिए कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एकजुट हैं।' इस बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, 'हमने कई विपक्षी दलों से बातचीत की और उसके बाद ही राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले पर विशेष सत्र बुलाने और चर्चा कराने की मांग की। इसका उद्देश्य दुनिया को यह सामूहिक संकल्प दिखाना है कि हम एक हैं। यह एकता का समय है, ध्रुवीकरण का नहीं। मौजूदा हालात को देखते हुए एकता और एकजुटता जरूरी है। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री संसद का विशेष सत्र बुलाएंगे और उसमें मौजूद रहेंगे।'

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से दिल्ली को मिलेगी गर्मी से राहत, एक मई को चल सकती है तेज आंधी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को आने वाले तीन दिनों में गर्मी से राहत मिलने वाली है। 30 मई को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके चलते दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में एक मई से गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली का अधिकतम तापमान 40.4 और न्यूनतम 23.2 दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से एक डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने कहा है कि 30 अप्रैल से एक मई तक राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री और न्यूनतम 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। इन तूफानी हवाओं और बारिश से तापमान में गिरावट आएगी, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक ऊपरी हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर असम और दूसरा निचले

क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी बांग्लादेश पर बना हुआ है। इसके चलते अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ व्यापक रूप से व्यापक रूप से हल्की एवं मध्यम वर्षा होने की संभावना है। हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे हो सकती है और 28 - 29 अप्रैल को असम और मेघालय में गरज के साथ बौछारें (हवा की गति 50-70 प्रति घंटे तक) पड़ने की संभावना है। 28 और 29 अप्रैल को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, असम और मेघालय, त्रिपुरा और 28 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश में भारी वर्षा की संभावना है। आज असम और मेघालय में भी कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 28 अप्रैल से 2 मई के दौरान पूर्वी भारत, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से 60 किमी प्रति घंटे की गति तक तेज हवाओं के साथ छिटपुट, व्यापक हल्की एवं मध्यम वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 02 मई से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नया और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ प्रभाव डाल सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारतीय युवा कांग्रेस का पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में यहां पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान उच्चायोग की तरफ बढ़ते भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि पहलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला मानवता के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध है। यह आतंकी हमला एक भयानक त्रासदी है। हमारा देश मोहब्बत और भाईचारे का देश है। यहां नफरत और आतंक की कोई जगह नहीं है, इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंक के खिलाफ हम एकजुट होकर लड़ेंगे। ये हमला समाज में नफरत फैलाने की कोशिश है, जिसे

हम सभी भारतवासी सफल नहीं होने देंगे। हम आतंक के खिलाफ एकजुट हैं, इन नफरती ताकतों का सामना मिलकर करेंगे। उदय भानु चिब ने कहा कि पहलगाम हमले को पांच दिन बीत चुके है लेकिन हमारे ही लोगों का हमारी ही सरजमीं पर खून बहाने वाले पाकिस्तानियों पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई है, हम खामोश नहीं बैठेंगे। प्रधानमंत्री कार्रवाई कीजिए। बीते 23 अप्रैल को एक बीएसएफ जवान गलती से बॉर्डर पार कर गया, जिसे पाकिस्तान की सेना ने गिरफ्तार कर लिया है। आज 27 अप्रैल है, 5 दिन बीतने के बाद भी पाकिस्तान ने जवान को वापस हिंदुस्तान नहीं भेजा। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान हमारे जवान को छोड़ नहीं रहा है। जवान पीके सिंह का परिवार बेहद चिंतित है। सरकार को इस गंभीर मामले में कदम उठाना चाहिए और हमारे जवान को सुरक्षित वापस लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश पहलगाम में शहीद हुए हिंदुस्तानियों के लिए न्याय मांग रहा है। अब वक्त है कूटनीति नहीं, सीधा और सख्त जवाब देने का, पूरा देश सेना और सरकार के साथ खड़ा है।प्रदर्शन में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मनीष चौधरी, राष्ट्रीय सचिव अमित पठानिया, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा समेत कई राष्ट्रीय पदाधिकारी और अनेक युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी से कांग्रेस ने किया किनारा

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से ऊल-जलूल बयानों की बाढ़ आ गई है। इसी क्रम में कांग्रेस के एक नेता (मणिशंकर अय्यर) ने एक विवादास्पद टिप्पणी की, जिसे लेकर अय्यर और कांग्रेस सत्तारूढ़ भाजपा-नीत एनडीए के निशाने पर आ गए। नतीजतन, कांग्रेस की हो रही किरकिरी के मद्देनजर पार्टी महासचिव (संचार) जयराम रमेश को डैमेज कंट्रोल के लिए आगे आना पड़ा। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी तथा एआईसीसी पदाधिकारियों के विचार ही कांग्रेस के आधिकारिक बयान हैं। इनके अलावा कांग्रेस के जो अन्य नेता मीडिया में बयान दे रहे हैं, वे उनके निजी बयान हैं। दरअसल, कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने शनिवार को नई दिल्ली में एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान कहा था कि क्या 22 अप्रैल को पहलगाम में बैसरन के हरे-भरे पर्यटक स्थल पर हुआ आतंकवादी हमला 'विभाजन के अनसुलझे सवालों' का नतीजा था।

भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने आज दोपहर एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस पार्टी और मणिशंकर अय्यर पर इस बयान के लिए जोरदार हमला बोला। रविशंकर ने मणिशंकर के विवादित बयान को अत्यंत असंवेदनशील करार दिया। रविशंकर ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का अपनी पार्टी पर कोई नियंत्रण नहीं है? एक तरफ कांग्रेस का आधिकारिक बयान कहता है।

सुशील मोदी को मरणोपरांत पद्म भूषण मिला

एजेंसी

पटना। राजनीति के ज़रिए बिहार के विकास को नई दिशा देने के लिए आजीवन प्रयत्नशील रहे बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को मरणोपरांत राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान उनकी धर्मपत्नी जेस्सी सुशील मोदी ने राष्ट्रपति के हाथों से ग्रहण किया। सम्मान ग्रहण करने के बाद जेस्सी मोदी ने कहा कि यह पूरे बिहार का सम्मान है। उनकी पत्नी का कहना है सुशील मोदी ने समाज के विभिन्न तबकों व लोगों के बीच काम किया और बिहार के विकास के लिए कई सामाजिक कार्य किए, जिनमें अस्पतालों और गरीब लोगों की मदद करना भी शामिल था। विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे के लोगों के लिए... यह सम्मान उनके निधन से मिले लोगों के घावों पर दवा के रूप में भी काम करेगा और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। खासकर उन युवाओं के लिए जिन्हें लक्ष्य निर्धारित करने और दिशा देने के लिए नेताओं की आवश्यकता होती है। जेस्सी मोदी ने कहा कि मरणोपरांत सुशील कुमार मोदी को पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित करना दरअसल सुशील मोदी की पांच दशकीय सार्वजनिक एवं राजनीतिक

जीवन के समर्पण एवं सद्कार्य की पहचान का सम्मान है। इस सम्मान से भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं व सुशील मोदी को चाहने वालों के साथ मेरा परिवार भी हर्षित है। सुशील मोदी के इस सम्मान को बिहारवासियों को समर्पित कर मुझे अतिशय प्रसन्नता होगी, क्योंकि उनका सम्पूर्ण समर्पण बिहार के प्रति था। जेस्सी मोदी और उनके पुत्र उत्कर्ष तथागत अक्षय अमृतांशु ने इसके लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व बिहार के मुख्यमंत्री , दोनों उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल का आभार जताते हुए कहा है कि इस सम्मान से भाजपा के लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं का आत्मगौरव बढ़ेगा।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम के परिवार ने एनएआई को सौंपे उनके निजी कागजात

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार वालों ने उनके कुछ जरूरी कागजात भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) को सौंपे। इनमें मूल पत्राचार, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, यात्रा रिपोर्ट और विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ-साथ संगठनों में डॉ कलाम द्वारा दिए गए व्याख्यान से जुड़े कागजात शामिल हैं। दिल्ली स्थित एनएआई में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कलाम की भतीजी डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार और डॉ. कलाम के पोते एपीजेएमजे शेख सलीम ने पूर्व राष्ट्रपति के कुछ जरूरी कागजात एनएआई को सौंपें। इस मौके पर एनएआई के महानिदेशक अरुण सिंघल ने डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महानिदेशक सिंघल ने कहा कि अब आम लोग भी डॉ. कलाम के 1000 से अधिक भाषणों के संग्रह को देख और पढ़ सकेंगे। सभी कागजात का डिजिटलीकरण किया जाएगा। आने वाली पीढ़ी एनएआई के निजी संग्रह में जाकर डॉ. कलाम, महात्मा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चंद्रबोस द्वारा लिखे पत्र और दस्तावेज पढ़ सकती है। एनएआई के सहायक निदेशक डॉ. मानस मिश्रा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि आज औपचारिक तौर पर डॉ कलाम और एनएआई के बीच समझौता किया गया। इसके तहत परिवार वालों ने डॉ कलाम के निजी पत्राचार, भाषणों का संग्रह, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड को एनएआई को सौंपा। इसके लिए एनएआई की टीम दिल्ली से रामेश्वरम डॉ. कलाम के घर पर उनके निजी पत्रों को लेने के लिए पहुंची थी। टीम में उनके साथ उपनिदेशक राजू सिंह और सहायक निदेशक डॉ. रिचा थे। डॉ कलाम द्वारा लिखे लेक्चर, पत्रों से भरे 12 बॉक्स को चार बड़ बॉक्स में भर कर दिल्ली लाया जा रहा है। डॉ कलाम द्वारा विश्वविद्यालयों में दिए गए भाषणों का संकलन है जिसमें विकसित भारत का रोडमैप का विजन है। इन सभी भाषणों को अब अभिलेखागार में रखा जाएगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने 'स्केलिंग माउंट यूपीएससी, युवा आईएएस अधिकारियों की प्रेरक कहानियां' पुस्तक का विमोचन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और लेखक सज्जन यादव की पुस्तक 'स्केलिंग माउंट यूपीएससी, युवा आईएएस अधिकारियों की प्रेरक कहानियां' का विमोचन किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षाओं में सफलता के लिए अभ्यर्थियों के अथक परिश्रम, पुरुषार्थ और संकल्पशक्ति को दर्शाती यह पुस्तक, सिविल सेवा की आकांक्षा रखने वाले अनगिनत युवाओं के लिए एक प्रेरणा-स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए निश्चित एक उपयोगी और प्रेरक संसाधन है।

उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में अधिकारों के साथ दायित्वों का भी उतना ही महत्त्व है। बदलते समय के साथ हमारे दायित्वों और आकांक्षाओं का स्वरूप भी बदल रहा है। सरदार पटेल ने सिविल सेवा को भारत का स्टील फ्रेम कहा था। आज, तकनीक के विकास के साथ जब स्टील को और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है, हमें भी समय के अनुरूप स्वयं को अपग्रेड करना होगा। उन्होंने कहा कि निष्ठा से निर्वहन करना होगा। जब हर नागरिक अपने दायित्वों का पालन करेगा, तभी 140 करोड़ देशवासियों के अधिकार सुरक्षित और सशक्त रहेंगे।उल्लेखनीय है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित विकसित भारत 2047 के संकल्प को सिद्ध करने के लिए हमे समय-उपयुक्त ढांचा बनाना होगा और सभी को अपने दायित्वों का पूर्ण कि स्केलिंग माउंट यूपीएससी पुस्तक युवा आईएएस अधिकारियों की प्रेरक कहानियों का संकलन है, जिन्होंने यूपीएससी परीक्षा को पास करने में सफलता हासिल की है।

दिल्ली में पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों की बढ़ी चिंता, पुलिस ने की दस्तावेजों की जांच शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया था। इसी बीच इंटेलिजेंस ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस को एक अहम रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें दिल्ली में करीब 5000 पाकिस्तानियों की मौजूदगी का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट में मजनू का टीला और सिग्नेचर ब्रिज के नजदीक बने पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी कैंप का भी जिक्र किया गया है, जहां करीब 1500 परिवार सालों से बसे हुए हैं। अब सरकार की सख्ती के चलते इन कैंपों में रहने वाले पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। खासतौर पर उन लोगों की, जिनका लॉन्ग टर्म वीजा निरस्त हो चुका है या जिनकी नागरिकता प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो पाई है। सिग्नेचर ब्रिज के नीचे बने पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी कैंप में दिल्ली पुलिस ने दस्तावेजों की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस हर परिवार से पासपोर्ट, वीजा और अन्य पहचान से जुड़े दस्तावेज इकट्ठा कर रही है। जानकारी के मुताबिक मजनू का टीला और यमुना खादर क्षेत्र में बसे शरणार्थियों में से आधे से ज्यादा लोगों का लॉन्ग टर्म वीजा वीजा या तो रद्द हो चुका है या समाप्ति की कगार पर है।

नागरिकता संशोधन कानून के तहत 2014 से पहले भारत आए शरणार्थियों को तो नागरिकता दी गई थी, लेकिन 2014 के बाद आए परिवारों के लिए अब लॉन्ग टर्म वीजा निरस्त होना एक गंभीर संकट बनता दिख रहा है। बड़ा सवाल यह है कि क्या 5000 पाकिस्तानियों में पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल हैं? फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मजनू का टीला कैंप के प्रधान धर्मवीर और प्रधान सोना दास ने कहा कि वे किसी भी कीमत पर पाकिस्तान लौटना नहीं चाहते। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए कहा कि आतंकियों ने लोगों को गोली मारने से पहले उनका नाम और धर्म पूछा था। ऐसे में अगर वे वापस पाकिस्तान लौटते हैं तो उनके जीवन पर भी गंभीर खतरा मंडरा सकता है। प्रधान धर्मवीर ने आईएएनएस से कहा, हम पाकिस्तान में दुख झेलकर भारत आए हैं। अगर वापस भेजा गया तो हमारी जान को खतरा है।

संपादक की कलम से

देशभर में हजारों पाकिस्तानी... ये इतने आए कहां से?

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार का दिमाग चल नहीं रहा है। अपना सारा समय राजनीति, षड्यंत्रों में बिताना और इस तरह के हमला होने के बाद नींद से जाग जाना। अब भी ऐसा ही हुआ है। केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को पाकिस्तान भगाने का अभियान शुरू किया; लेकिन जहां भाजपा सालों से सत्ता में है, वहां सबसे ज्यादा पाकिस्तानी पाए जा रहे हैं। ये तो तय है कि ये लोग इतने सालों से सोते रहे हैं। फिर जहां भाजपा की सत्ता नहीं है या सत्ता है, वहां मुस्लिम छात्रों, फल वालों, सब्जी वालों, कपड़ा व्यावसायियों, छोटे-बड़े व्यापारियों को पाकिस्तानी नागरिक कहकर परेशान करने के अभियान शुरू किए जा रहे हैं, जिसके चलते मूल पाकिस्तानी नागरिक, घुसपैठिए अलग रह गए; लेकिन कुछ अलग ही काम शुरू हो गए हैं। भाजपा के कार्यकाल में देश में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या बढ़ी है। हालांकि, पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को पाकिस्तान रवाना करने का अभियान शुरू कर दिया है। खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को ऐसे निर्देश दिए जाने के बाद हर राज्य से पाकिस्तानियों को भेजा जाना शुरू हो गया। रविवार शाम को जब समयसीमा समाप्त हो गई तो अंतिम क्षण तक सैकड़ों पाकिस्तानी नागरिकों को अटारी सीमा से उनके देश वापस भेज दिया गया, लेकिन इस समयसीमा बीतने के बाद भी हजारों पाकिस्तानी नागरिक देश में डेरा डाले हुए हैं, ऐसी जानकारी सामने आ रही है। यह सही है कि पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर निकाल दिया गया, लेकिन इसके लिए पहलगाम जैसे हमले के इंतजार करने की क्या जरूरत थी, यह एक ऐसा सवाल है जो आम लोग पूछते हैं और यह गलत नहीं है। मूलतः हजारों पाकिस्तानियों को हिंदुस्थान में आकर क्यों रहना चाहिए और हमारे देश को उन्हें आने की अनुमति क्यों देनी चाहिए? हम

पाकिस्तान को दुश्मन राष्ट्र

मानते हैं न, फिर इतनी बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिकों को क्यों वैध-अवैध तरीकों से देश के हर राज्य में आने दिया गया? फिर इनमें से कितने पाकिस्तानी नागरिकों के पास वीजा और अन्य वैध दस्तावेज हैं और कितने अवैध रूप से घुसपैठ कर हिंदुस्थान में रह रहे हैं, यह भी शोध का विषय है। हिंदुस्थान में रहनेवाले हजारों पाकिस्तानियों में सिंध प्रांत के कितने हिंदू और मुसलमान हैं, इसका भी बारीकी से सत्यापन किया जाना चाहिए। २७ अप्रैल की समयसीमा बीत जाने तक यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि इनमें से कितने पाकिस्तानी वापस आ गए हैं और कितने अभी भी देश में हैं। अगर हम अकेले महाराष्ट्र का उदाहरण लें तो हमारे राज्य में ५,०२३ पाकिस्तानी रह रहे थे। हालांकि, उनमें से कई को अब पाकिस्तान भेज दिया गया है, लेकिन ऐसी खबरें हैं कि महाराष्ट्र में रहनेवाले १०७ पाकिस्तानी नागरिक लापता हैं। इस बात पर विश्वास करना होगा, क्योंकि खुद राज्य के गृहमंत्री ने कहा है कि पुलिस ने इन १०७ पाकिस्तानी नागरिकों को बहुत खोजा, लेकिन वे नहीं मिले। लेकिन उनकी बातों पर गृहविभाग संभालनेवाले मुख्यमंत्री ने ही संदेह पैदा कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि कोई भी पाकिस्तानी लापता नहीं है। यानी गृह राज्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शिंदे कह रहे हैं कि १०७ पाकिस्तानी लापता हैं, जबकि मुख्यमंत्री फडणवीस इस बात पर जोर दे रहे हैं कि ऐसा कुछ नहीं है। ऐसे संवेदनशील मामले में सरकार में एक राय नहीं होगी तो बात कैसे बनेगी? अगर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्री ही परस्पर विरोधी सूचनाएं दे रहे हों तो जनता किस पर भरोसा करे? जब सीमा पर सुरक्षा बलों का कड़ा पहरा था तो ये घुसपैठिए कैसे आ गए? देश के प्रधानमंत्री स्वयं को जनता का चौकीदार कहते हैं; लेकिन सीमा में सुराख कर

पाकिस्तानी नागरिक, घुसपैठिए, उग्रवादी सीमा पार कर भारत में आ सकते हैं, देश के किसी भी राज्य में जा सकते हैं और यदि वे पहलगाम जैसे हमले और नरसंहार करने के बाद गायब हो रहे हैं तो देश की सरकार, गृह मामले और खुफिया एजेंसियां ??वास्तव में क्या कर रही हैं? महाराष्ट्र के ४८ शहरों में ५,०२३ पाकिस्तानी नागरिक रहते थे। इनमें से आधे से ज्यादा यानी २,४५८ पाकिस्तानी अकेले नागपुर शहर में पाए गए। नागपुर राज्य के मुख्यमंत्री का शहर है और यहां पर आरएसएस का मुख्यालय है। लेकिन जब नागपुर में ही २,५०० पाकिस्तानी रहते हों और लगभग ३० पाकिस्तानियों की किसी भी तरह की जानकारी पुलिस प्रशासन के पास न हो तो कहना होगा कि देश के साथ-साथ महाराष्ट्र की सुरक्षा भी रामभरोसे है। उपमुख्यमंत्री के ठाणे शहर में १,००० से अधिक पाकिस्तानी नागरिक रह रहे थे और उनमें से ३३ लापता हैं। राज्य के कुल ४८ शहरों में पाकिस्तानी नागरिक हाथ-पांव पसारे हुए हैं और वीजा खत्म होने के बाद या बिना वैध दस्तावेजों के यहां रह रहे हैं। क्या ये देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक नहीं है? यदि महाराष्ट्र में ५,००० से अधिक, राजस्थान में ३०,०००, छत्तीसगढ़ में २,०००, मध्य प्रदेश में २२८ और देश की राजधानी दिल्ली में ५,००० पाकिस्तानी रह रहे हैं तो यह देश की सुरक्षा के साथ एक बड़ा खेल है। असल में पाकिस्तान जैसे दुश्मन देशों से हजारों लोग अवैध रूप से भारत के कोने-कोने में वैष्ठसे आ जाते हैं और रहते हैं? ये इतने आए कहां से? फिर पहलगाम हमले के बाद ही सरकार को हिंदुस्थान में रह रहे इन हजारों पाकिस्तानी नागरिकों की याद वैष्ठसे आई? क्या सरकार के पास कोई जवाब है?

आंतों में कैंसर के सबसे बड़े लक्षण क्या हैं? कैसे करें पहचान

आंतों में कैंसर होने के कई कारण हैं. इस कैंसर में कई बार शुरूआत में किसी तरह के लक्षण नहीं उभरते हैं. कुछ लोगों में इसके शुरूआती लक्षण उभरते हैं. आतों के कैंसर कोलन कैंसर भी कहा जाता है. बड़ी आंत के एक हिस्से में कोशिकाओं की वृद्धि होना शुरू हो जाता है. कोलन बड़ी आंत का पहला और सबसे लंबा हिस्सा है. आंतों में कैंसर की समस्या अक्सर बढ़ती उम्र में होता है. हालांकि बदली जीवन शैली के कारण यह किसी भी उम्र में हो सकता है. कोलन कैंसर आम तौर पर कोशिकाएं को छोटे-छोटे समूह के रूप में होता है. इन्हें पॉलीप्स कहा जाता है.

कोलन कैंसर या आतों का कैंसर का खतरा सामान्य रूप से बढ़ती आयु में रहता है. इसके अलावा अनुवांशिक कारण और जीवन शैली भी इसके लिए बहुत हद तक जिम्मेदार है. यदि आप नियमित शराब और तंबाकू का सेवन करते हैं. इसके अलावा मोटापा, डायबिटीज और नियमित रूप से व्यायाम न करना भी इसका कारण बन सकता है. कोलन में पॉलीप्स होने पर अनदेखी की जाए तो इसका खतरा बहुत ज्यादा बढ़ जाता है. पॉलीप्स होने पर डॉक्टर नियमित जांच की सलाह देते हैं.

ये होते हैं आंतों के कैंसर के लक्षण

कैंसर सर्जन डॉ अनुराग सिंह बताते हैं किकोलन कैंसर की शुरूआत में पेट में दर्द रहना. मल में रक्त आना. मल त्याग के बाद भी ऐसा महसूस होना कि पेट पूरी तरह से खाली नहीं हुआ है. मल त्याग के बाद भी पेट का फूला हुआ महसूस होना. मल त्याग की प्रक्रिया में बदलाव होना. बार-बार कब्ज या दस्त होना शामिल हैं. हालांकि यह लक्षण अन्य कई बीमारियों में भी उभरते हैं. लेकिन, यदि यह लक्षण उभरते हैं तो इनकी जांच जरूर करवानी चाहिए.

कैंसर के लक्षण दिखने पर क्या करें

यदि आपको बताए गए लक्षण महसूस हो रहे हैं तो तुरंत ही डॉक्टर से संपर्क करके जांच करवानी चाहिए।

भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय मुस्कान का पर्व

- ललित गर्ग-

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता, जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

अक्षय तृतीया इस वर्ष 30 अप्रैल, 2025 को है। भगवान परशुराम का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था, इसलिये भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्मदिन मानते हैं। वैष्णव मंदिरों में उनकी पूजा की जाती है। महर्षि वेदव्यास ने इसी दिन से महाभारत लिखना शुरू किया था। अक्षय तृतीया के दिन महाभारत के युधिष्ठिर को अक्षय पात्र मिला था। इसकी विशेषता थी कि इसमें भोजन कभी समाप्त नहीं होता था। इसी पात्र से वह अपने राज्य के गरीब व निर्धन को भोजन देकर उनकी सहायता करते थे। इसी आधार पर मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाला दान-पुण्य का भी कभी क्षय नहीं होता है। इस दिन साधु-संतों के साथ ब्राह्मणों-गरीबों को भोजन कराकर व वस्त्र दान करने के साथ गायों को हरा चारा खिलाने का विशेष महत्व है। वहीं पक्षियों को परिंडे लगाकर दाने-पानी की व्यवस्था करने से विशेष लाभ मिलता है और भगवान श्री विष्णु की कृपा अपने भक्तों पर हमेशा बनी रहती है।

अक्षय तृतीया विवाहित या अविवाहित महिलाओं के लिए क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपने जीवन में पुरुषों की भलाई के लिए या भविष्य में उनकी सगाई होने वाले पुरुष के लिए प्रार्थना करती हैं। प्रार्थना के बाद, वे अंकुरित चने (अंकुरित), ताजे फल और भारतीय मिठाइयां वितरित करते हैं। यह दिन किसानों, कुंभकारों एवं शिल्पकारों के लिए भी यह बहुत महत्व का दिन है। बैलों के लिए भी बड़े महत्व का दिन है। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई करने वाले किसान के धान्य-कोष्ठक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है। अक्षय तृतीया पर महाराष्ट्र के लोग नया व्यवसाय शुरू करते हैं, घर खरीदते हैं और महिलाएं सोना खरीदती हैं। लोग इस त्यौहार को परिवार के साथ मनाते हैं और महाराष्ट्रीयन पूरन पोली (गुड़ और दाल के मिश्रण से भरी चपाती) और आमरस (आम की एक मोटी प्यूरी) से बने नैवेद्य जैसे भोजन का भोग लगाकर देवी-देवताओं की पूजा करते हैं।

ओडिशा में, अक्षय तृतीया आगामी खरीफ सीजन के लिए चावल की बुवाई के शुभारंभ के दौरान मनाई जाती है। यह दिन अच्छी फसल के आशीर्वाद के लिए किसानों द्वारा धरती माता, बैलों और अन्य पारंपरिक कृषि उपकरणों और बीजों की पूजा के साथ शुरू होता है। जगन्नाथ मंदिर के रथ यात्रा उत्सव के लिए रथों का निर्माण भी इसी दिन पुरी में शुरू होता है। तेलुगू भाषी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में यह त्यौहार समृद्धि और दान से जुड़ा है। सिंहचलम मंदिर में इस दिन विशेष उत्सव अनुष्ठान किए जाते हैं। मंदिर के मुख्य देवता को साल के बाकी दिनों में चंदन के लेप से ढका जाता है और केवल इसी दिन देवता पर लगे चंदन की परतें हटाई जाती हैं ताकि अंतर्निहित मूर्ति दिखाई दे। इस दिन वास्तविक रूप या निज रूप दर्शनम का प्रदर्शन होता है।

लोकोत्तर दृष्टि से अक्षय तृतीया पर्व का संबंध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ के साथ जुड़ा हुआ है। तपस्या हमारी संस्कृति का मूल तत्व है, आधार तत्व है। कहा जाता है कि संसार की जितनी समस्याएं हैं तपस्या से उनका समाधान संभव है। संभवतः इसीलिए लोग विशेष प्रकार की तपस्याएं करते हैं और तपस्या के द्वारा संसार की आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों संपदाओं को हासिल करने का प्रयास करते हैं। जैन धर्म में वर्षीतप यानी एक वर्ष तक तपस्या करने वाले साधक इसदिन से तपस्या प्रारंभ करके इसी दिन सम्पन्न करते हैं। यह संसार से मोक्ष की मुस्कान, शरीर को तपाने और आत्मस्थ करने का अवसर है। अक्षय तृतीया तप, त्याग और संयम का प्रतीक पर्व है। इसका सम्बन्ध भगवान ऋषभदेव के युग और उनके कठोर तप से जुड़ा होने से वर्षीतप की परम्परा चली। यह ऋषभ की दीर्घ तपस्या के समापन का दिन है। अपने आदिदेव की स्मृति में जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदायों में असंख्य श्रावक-श्राविकाएं वर्षीतप करते हैं। इस दिन देशभर में आचार्यों और मुनियों के सान्निध्य में अनेक आयोजन होते हैं। इसका मुख्य आयोजन हस्तिनापुर (जिला मेरठ- उत्तर प्रदेश) में श्री शांतिनाथ जैन मन्दिर में एवं प्राचीन नसियांजी, जो भगवान ऋषभ के पारणे का मूल स्थल पर आयोजित होता है, वहां पर देशभर से हजारों तपस्वी एकत्र होते हैं और अपनी तपस्या का पारणा करते हैं। तपस्या को जैन धर्म साधना में अत्यन्त महत्पूर्ण स्थान दिया जाता है। मोक्ष के चार मार्गों में तपस्या का स्थान कम महत्वपूर्ण नहीं है। तपस्या आत्मशोधन की महान प्रक्रिया है और इससे जन्म जन्मांतरों के कर्म आवरण समाप्त हो जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि इसकी साधना से जीवन विकास की सीख हमारे चरित्र की साख बने। हममें अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागे। यह आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा बने।

अक्षय तृतीया का पावन पवित्र त्यौहार निश्चित रूप से धमार्राधना, त्याग, तपस्या आदि से पोषित ऐसे अक्षय बीजों को बोने का दिन है जिनसे समयान्तर पर प्राप्त होने वाली फसल न सिर्फ पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय उत्साह को शतगुणित करने वाली होगी वरन अध्यात्म की ऐसी अविरल धारा को गतिमान करने वाली भी होगी जिससे सम्पूर्ण मानवता सिर्फ कुछ वर्षों तक नहीं पीढ़ियों तक स्नात होती रहेगी। अक्षय तृतीया के पवित्र दिन पर हम सब संकल्पित बनें कि जो कुछ प्राप्त है उसे अक्षुण्ण रखते हुए इस अक्षय भंडार को शतगुणित करते रहें। यह त्यौहार हमारे लिए एक सीख बने, प्रेरणा बने और हम अपने आपको सर्वोतमुखी समृद्धि की दिशा में निरंतर गतिमान कर सकें। अच्छे संस्कारों का ग्रहण और गहरापन हमारे संस्कृति बने। तभी अक्षय तृतीया पर्व की सार्थकता होगी। सनातन धर्म में इसी दिन शादियों के भी अबूझ एवं स्वयंसिद्ध मुहूर्त रहता है और थोक में शादियां होती है। अक्षय तृतीया को आखा तीज भी कहा जाता है। अक्षय तृतीय हिन्दु पंचाग अनुसार वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते है। माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किए जाते हैं वे पुरी तरह सफल होते हैं एवं शुभ कार्यों को अक्षय फल मिलता है। साथ ही यह भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों का आशीर्वाद लेना अक्षय रहता है। साथ ही अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है तथा गृह प्रवेश, पदभार ग्रहण, वाहन खरीदना, भूमि पूजन आदि शुभ कार्य करना अत्यंत लाभदायक एवं फलदायी होते हैं। इतना ही नहीं अक्षय तृतीया के दिन ही वृंदावन के बांके बिहारी के चरण दर्शन एवं प्रमुख तीर्थ बद्रीनाथ के पट (द्वार) भी अक्षय तृतीया को ही खुलते हैं।

भारतीय गृहयुद्ध के ठेकेदार

संजय राऊत

भारत में गृहयुद्ध शुरू होने का शोर भाजपा के दुबे जैसे कई लोगों ने मचा रखा है। हिंदू-मुसलमानों के बीच विवाद भड़काकर खून-खराबे को आमंत्रण देनेवाले ये लोग गृहयुद्ध के ठेकेदार हैं। कश्मीर में हिंदुओं का हत्याकांड उसी गृहयुद्ध का हिस्सा है। गृहयुद्ध ज्यादा भड़का तो राजा और राष्ट्रप्रमुख को भागना पड़ता है, ये भाजपा के दुबे जैसे लोगों को समझना चाहिए!

कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें २६ पर्यटकों की जान चली गई। इनमें से ज्यादातर पर्यटक हिंदू थे। मोदी और उनके लोग देश में नफरत का जहर फैला रहे हैं। इसी वजह से पहलगाम हत्याकांड हुआ। क्योंकि बंदूकधारियों ने पुरुष पर्यटकों को गोली मारने के बाद रोती हुई महिलाओं से कहा, जाकर अपने मोदी को बता देना।

इसका क्या मतलब है? मतलब सीधा है। धार्मिक गृहयुद्ध की यह चिंगारी गिरते हुए दिख रही है और यह पिछले दस सालों से शासन कर रही मोदी सरकार की विफलता है।

कश्मीर में गृहयुद्ध की शुरूआत होने से पहले ही भाजपा के बड़बोले सांसद निशिकांत दुबे ने गृहयुद्ध शुरू होने का शोर मचाया और इस गृहयुद्ध का ठीकरा दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर फोड़ दिया। मणिपुर जैसे राज्य में पिछले तीन सालों से जो आतंक, अराजकता और वर्गकलह सड़कों पर चल रहा है, वह गृहयुद्ध का ही हिस्सा है। इसके पीछे न तो मुसलमान हैं और न ही सुप्रीम कोर्ट। होगा भी तो भाजपा की राजनीति इसके पीछे है।

प्रधानमंत्री मोदी भगवान के अवतार हैं और दुबे जैसे लोग उस अवतार के पिल्ले हैं। फिर भी कश्मीर से लेकर मणिपुर तक गृहयुद्ध की चिंगारियां क्यों उड़ रही हैं?

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति मुर्मू को निर्देश देते हुए कहा कि समय सीमा के भीतर विधेयकों पर निर्णय लेना अनिवार्य है। जैसे ही मुख्य न्यायाधीश ने यह फैसला सुनाया, भाजपा के दुबे ने यह कहकर अपनी अक्ल के तारे तोड़ दिए कि, राष्ट्रपति को निर्देश देने वाला सुप्रीम कोर्ट कौन होता है? सुप्रीम कोर्ट अपनी मयार्दा का उल्लंघन कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पार्लियामेंट के अधिकारों को अपने अधीन कर लिया है। यह गृहयुद्ध है। इस गृहयुद्ध के लिए मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। देश के मुख्य न्यायाधीश पर कीचड़ उछालना दबाव की राजनीति है। सरकारी बॉस के निर्देश के बिना दुबे जैसे लोग मुख्य न्यायाधीश पर गृहयुद्ध का ठीकरा नहीं फोड़ेंगे। दुबे द्वारा अब तक दिए गए सभी बयान धार्मिक कट्टरता (गृहयुद्ध) को बढ़ावा देने वाले और समाज में नफरत की आग भड़काने वाले हैं। मौजूदा भारतीय जनता पार्टी का असली चेहरा (विकृत) देखना है तो वह दिल्ली में निशिकांत दुबे और महाराष्ट्र में नितेश राणे हैं। नितेश राणे से एक साक्षात्कार में प्रश्न पूछा गया, इस समय भीषण गर्मी है। आपको कौन सा शरबत पसंद है? रूह अफजा या गुलाब शरबत? महाराष्ट्र के सम्माननीय मंत्री नितेश राणे ने कहा, मैं गर्मी से राहत पाने के लिए गोमूत्र पीता हूं। यह बहुत मजेदार है। शरीर स्वस्थ रहता है। इसका मतलब श्री. मोदी, श्री. अमित शाह, देवेंद्र फडणवीस आदि हिंदुत्ववादी लोग इस समय यही ठंडा पेय पी रहे होंगे। इसी पेय से नशा होता है और मुख्य न्यायाधीश पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया गया। भाजपा के दुबे कहते हैं, देश में गृहयुद्ध शुरू हो गया है। एक नहीं, बल्कि एक साथ कई गृहयुद्ध छिड़ गए हैं। इसके लिए मुख्य न्यायाधीश खन्ना जिम्मेदार हैं। दरअसल, देश के बीस राज्यों में भाजपा की सरकार है। देश के पूरे प्रशासन, सेना और पुलिस बल पर भाजपा और मोदी का नियंत्रण है। ऐसे में अगर गृहयुद्ध शुरू हुआ है तो यह केंद्र सरकार की विफलता है।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

-ललित गर्ग-

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढ़कने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढ़ाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरू कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरू कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पदार्पाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया। लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है।

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े है।

दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है।

भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसल्ले वाले महानायक है।

पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आर्तकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बार चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते वह पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है।

इजराइल ने कश्मीर हमले को बताया अस्वीकार्य, पाकिस्तान पर सख्त रुख

एजेंसी

मुंबई। मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्य दूत कोब्बी शोशनी ने हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकी हमले को 'अस्वीकार्य' करार देते हुए कहा कि वहां से सामने आईं तस्वीरें अत्यंत दिल दहला देने वाली हैं। उन्होंने पाकिस्तान से कश्मीर में जारी आतंकी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करने की अपील की। कोब्बी शोशनी ने कहा, भारत और इजराइल के बीच संबंध गहरे और अटूट हैं। यह केवल सरकारों या नेताओं तक सीमित नहीं, बल्कि दोनों देशों की जनता के बीच भी एक मजबूत बंधन है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, जो कुछ हमने कश्मीर में देखा, वह एक इंसान, एक दोस्त और भारत के भाई के तौर पर हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। तस्वीरें देखकर गहरा दुख हुआ। पाकिस्तान को सीधे तौर पर संबोधित करते हुए शोशनी ने कहा, पाकिस्तान को कश्मीर में उसकी ओर से हो रही आतंकी गतिविधियों से निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने भारत की विदेश नीति की भी सराहना करते हुए कहा, भारत बहुत ही कुशलतापूर्वक और चतुराई से कूटनीतिक मोर्चे पर काम कर रहा है। इजराइली राजनयिक के इस बयान ने भारत-इजराइल के घनिष्ठ संबंधों को एक बार फिर मजबूती से रेखांकित किया है। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर लगातार एकजुटता दिखाई है।

नुश्की में ऑयल टैंकर में लगी भीषण आग, चालक की मौत, 40 से अधिक घायल

नुश्की (बलूचिस्तान)। बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सोमवार की रात एक ऑयल टैंकर में भीषण आग लगने के बाद हुए विस्फोट में चालक की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग झुलसने से घायल हो गए। इस घटना की पुष्टि नुश्की के डिप्टी कमिश्नर अमजद हुसैन ने की है। डिप्टी कमिश्नर के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल 26 व्यक्तियों को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती द्वारा उपलब्ध कराई गई एयर एंबुलेंस के जरिये क्वेटा स्थानांतरित किया गया है। पुलिस के मुताबिक, एक डिपो में खड़े तेल भरे टैंकर पर वेल्डिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। संभावित बड़े हादसे को टालने के प्रयास में टैंकर चालक जलते वाहन को टर्मिनल से बाहर खुले मैदान में ले गया, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टैंकर में जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे 40 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक डीएसपी और तीन अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को घटनास्थल से हटाने के प्रयास में लगे थे। घटना में एक फायर ब्रिगेड वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है।प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि नुश्की में इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों को गंभीर रूप से जलने की चोटें आई हैं।

लंदन में पाकिस्तानी उच्चायोग में तोड़फोड़ के मामले में भारतीय मूल के व्यक्ति पर आरोप तय

लंदन। लंदन के मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने पुष्टि की है कि भारतीय मूल के अंकित लव पर पाकिस्तानी उच्चायोग में तोड़फोड़ करने के आरोप में आपराधिक क्षति का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 41 वर्षीय अंकित लव पर रविवार, 27 अप्रैल को आरोप तय किया गया। उन्हें हिरासत में लेकर सोमवार, 28 अप्रैल को वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। यह मामला रविवार शाम लगभग 5 बजे का है, जब पुलिस को लोन्ड्स स्क्वायर, केंसिंग्टन और चेल्सी इलाके में पाकिस्तानी उच्चायोग की खिड़कियों के तोड़े जाने की सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आरोपित का भारतीय मूल से संबंध है और उनका नाम पहले भी कुछ छोटे स्तर की सार्वजनिक अव्यवस्था की घटनाओं से जुड़ चुका है। हालांकि पुलिस ने अब तक उनकी पृष्ठभूमि या मकसद के बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है और पाकिस्तानी उच्चायोग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

रूस ने यूक्रेन में 8 से 10 मई तक युद्धविराम की घोषणा की

मॉस्को। रूस ने द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर विजय की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में यूक्रेन में 8 से 10 मई तक पूर्ण युद्धविराम की घोषणा की है। क्रेमलिन ने बताया कि यह युद्धविराम 08 मई की मध्यरात्रि से प्रभावी होगा और 10 मई तक जारी रहेगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मानवीय आधार पर इस दौरान सभी सैन्य अभियानों को रोकने का आदेश दिया है। 09 मई को रूस में विजय दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, इसी को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। क्रेमलिन ने उम्मीद जताई है कि यूक्रेन भी इसी तरह का आदेश देगा। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन में शांति बहाली के प्रयासों को तेज कर रहे हैं। अब तक पुतिन ने बिना शर्त पूर्ण युद्धविराम से इनकार किया था और इसे पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को हथियार आपूर्ति बंद करने तथा यूक्रेन की सैन्य लामबंदी रुकने से जोड़कर देखा था। रूस ने चेतावनी भी दी है कि युद्धविराम के उल्लंघन पर सख्त प्रतिक्रिया दी जाएगी। साथ ही रूस ने शांति वार्ता के लिए शर्त भी रखी है। उसने कहा है कि वार्ता तभी संभव होगी जब यूक्रेन रूसस के कब्जाए क्षेत्रों को कानूनी मान्यता देगा।

कनाडा के संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी सबसे आगे, बहुमत से दूर

एजेंसी

ओटावा। कनाडा में हुए संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी फिलहाल सबसे आगे पर बहुमत से दूर है। यह पियरे पोइलिव्रे की कंजर्वेटिव पार्टी के लिए तगड़ा झटका है। कनाडा के सीटीवी न्यूज के अनुसार, लिबरल पार्टी ने चुनाव जीत लिया है। वह संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है पर बहुमत मिलता नहीं दिख रहा। लिबरल पार्टी के उम्मीदवार 156 जिलों और कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार 145 जिलों में आगे चल रहे हैं। हाउस ऑफ कॉमंस में 343 सीटें हैं। बहुमत की सरकार बनाने के लिए 172 सीटों की जरूरत है। सीटीवी न्यूज के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने संसदीय चुनाव में सत्ता बरकरार रखी। अभी ब्रिटिश कोलंबिया

के सबसे पश्चिमी प्रांत के नतीजे आने बाकी हैं। लिबरल पार्टी को यहां अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। एंगस रीड इंस्टीट्यूट (पोलिंग फर्म) के अध्यक्ष शाची कुर्ल के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का कड़ा जवाब देना कार्नी के लिए चुनाव में फायदेमंद रहा। कार्नी ने टैरिफ को लेकर वाशिंगटन के साथ सख्त रुख अपनाने का वादा करते हुए कहा था कि कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अरबों खर्च करने होंगे। कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प ने लिबरल पार्टी की जीत का अनुमान लगाया था। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वे कनाडा में निर्मित कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ा सकते हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वे कनाडा को 51वां राज्य बनाने के लिए आर्थिक बल का उपयोग कर सकते हैं। कनाडा में चुनाव के वक्त भी सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने के अपने आह्वान को दोहराया। सीटीवी न्यूज का कहना है कि कनाडा की दो छोटी पार्टियां न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और ब्लॉक क्यूबेकॉइस सरकार बनाने पर लिबरल पार्टी का साथ दे सकती हैं।

भाजपा विदेश विभाग के प्रभारी चौथाईवाले का नेपाल दौरा आज से

एजेंसी

काठमांडू। भारतीय जनता पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले का नेपाल दौरा कल से शुरू होगा। वह 30 अप्रैल से दो मई तक काठमांडू रहेंगे। इस दौरान नेपाल के सभी प्रमुख नेताओं से उनकी मुलाकात संभव है। भाजपा विदेश विभाग के अनुसार, चौथाईवाले की नेपाल के प्रधानमंत्री से लेकर विपक्षी दल के नेताओं से मुलाकात तय की गई है। चौथाईवाले प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, सतारूढ़ गठबंधन के नेता शेर बहादुर देउवा, प्रमुख विपक्षी दल के नेता माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड, एकीकृत समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से मुलाकात करेंगे इसके अलावा चौथाईवाले नेपाल के दोनों उपप्रधानमंत्री प्रकाशमान सिंह और विष्णु पौडेल, विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा से भी मुलाकात कर सकते हैं। चौथाईवाले से मधेशी मोर्चा के नेताओं की सामूहिक मुलाकात होनी

है है। वह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने की इस्तीफे की घोषणा

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने इस्तीफे की घोषणा की है। वह 15 जून को पद छोड़ देंगे। बार की यह घोषणा 'कतरगेट' की जांच के दौरान आई है। शिन बेट पर सात अक्टूबर के हमास के हमलों को रोकने में विफलता का आरोप भी लग चुका है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस विफलता की सार्वजनिक जांच कराने की घोषणा भी कर चुके हैं। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने मेमोरियल डे कार्यक्रम से एक दिन पहले सोमवार शाम घोषणा की कि वह 15 जून को अपना पद छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने पूर्व में उन्हें हटाने की कोशिश भी की थी। विश्लेषकों का कहना है कि इजराइल में आतंकवाद-रोधी जांच का जिम्मा संभालने वाली शिन बेट नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के विरुद्ध बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है।

नेतन्याहू ने 16 मार्च को कहा था कि वह काफी पहले रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को बर्खास्त करने के सरकार के प्रयास पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। रोनेन ने दावा किया था कि नेतन्याहू उन्हें इसलिए बर्खास्त करना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने इजराइली प्रदर्शनकारियों की जासूसी करने और भ्रष्टाचार के मुकदमे को बाधित करने समेत विभिन्न आग्रहों को मानने से इनकार कर दिया था। इन आरोपों के जवाब में नेतन्याहू ने रोनेन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

भारत से तनाव बढ़ने के बीच पीटीआई ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान को रिहा करने की मांग उठाई

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि निलंबित किये जाने से तिलमिलाए पाकिस्तान में प्रमुख विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान की रिहाई की मांग की है, ताकि वह भारत के साथ बढ़ते तनाव पर राष्ट्रीय विचार-विमर्श में हिस्सा ले सकें। पार्टी ने राजनीतिक नेतृत्व से तत्काल बहुदलीय सम्मेलन बुलाने का भी आह्वान करके उसमें खान को भी शामिल करने की मांग भी की है। अनुसार यह मांग सोमवार को सीनेट में की गई।

सीनेट में दोनों पक्षों के सांसदों ने सिंधु जल संधि निलंबित करने और 22 अप्रैल के हमले के बाद युद्ध उन्माद को बढ़ावा देने के लिए भारत की आलोचना की। सीनेट में पीटीआई के संसदीय नेता सीनेटर अली जफर ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे के लिए राजनीतिक मतभेदों को अलग रखना चाहिए। वर्तमान परिस्थितियों में बहुदलीय सम्मेलन ही एकमात्र उपाय है। अगर इमरान खान को ऐसी बैठक में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाती है, तो इससे दुनिया भर में यह संदेश

जाएगा कि पाकिस्तान एकजुट है। पीटीआई सीनेटर शिबली फराज ने कहा कि इमरान खान को मीनार-ए-पाकिस्तान में सार्वजनिक सभा करने और भारत के साथ वाघा सीमा की ओर मार्च करने के लिए लोगों को आह्वान करने के लिए टीवी पर आने की अनुमति दी जानी चाहिए। फराज ने विश्वास व्यक्त किया कि खान के आह्वान पर 10 मिलियन से अधिक लोग एकत्र होंगे। उन्होंने कहा कि केवल लोगों का सच्चा प्रतिनिधि ही भारत को एक मजबूत संदेश दे सकता है। उन्होंने सभी राजनीतिक कैदियों की रिहाई और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने की प्रथा को खत्म करने की भी मांग की।

स्पेन और पुर्तगाल में भीषण बिजली संकट, परिवहन और संचार सेवाएं बाधित

मेड्रिड/लिस्बन। स्पेन और पुर्तगाल में एक बड़े बिजली संकट ने लाखों लोगों को अंधेरे में डुबो दिया है। इस ब्लैकआउट ने न केवल बिजली आपूर्ति को ठप किया, बल्कि संचार नेटवर्क और परिवहन सेवाओं को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। स्पेन के ग्रिड ऑपरेटर रेड इलेक्ट्रिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पुष्टि की है कि आपातकालीन टीमें समस्या की जांच कर रही हैं और बिजली बहाल करने के लिए पूरी तरह जुटी हैं। रेड इलेक्ट्रिका ने बताया, कारणों का विश्लेषण किया जा रहा है और सभी संसाधनों को समाधान में लगाया गया है। बिजली गुल होने से दूरसंचार नेटवर्क और परिवहन सेवाओं पर व्यापक असर पड़ा है। प्रमुख शहरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मैड्रिड के बाराजास अंतरराष्ट्रीय

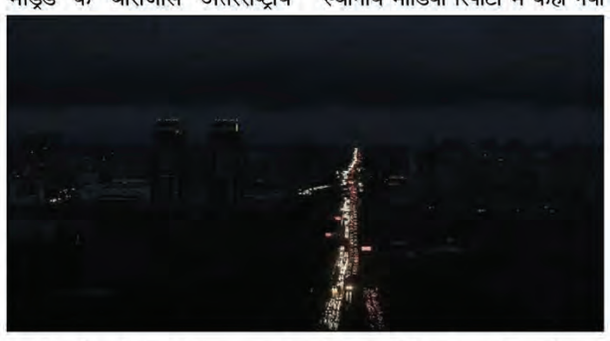

हवाई अड्डे सहित कई अन्य हवाई अड्डों पर बिजली चली गई, जिससे विमानों की आवाजाही प्रभावित हुई। वहीं, मेट्रो सेवाएं भी बाधित रहीं और यात्री सुरंगों में फंसे रहे। 'यूरो-न्यूज़' के अनुसार, इस संकट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, हालांकि कुछ स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि यूरोपीय विद्युत ग्रिड में आई समस्या ने इबेरियाई प्रायद्वीप के राष्ट्रीय ग्रिड को प्रभावित किया हो सकता है। इसके अतिरिक्त, फ्रांस के दक्षिण-पश्चिम में अलारिक पर्वत पर लगी आग से पर्पिन्यां और पूर्वी नारबोनी को जोड़ने वाली एक उच्च वोल्टेज पावर लाइन को नुकसान पहुंचा है, जिसे संभावित कारणों में से एक माना जा रहा है। अंडोरा और फ्रांस के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी बिजली संकट का असर पड़ा है। साथ ही बेल्जियम से भी कुछ क्षेत्रों में बिजली गुल की खबरें सामने आई रही हैं।स्पेन की प्रमुख बिजली कंपनियां एंडेसा और इबेरड्रोला तथा पुर्तगाल की राष्ट्रीय विद्युत कंपनी आरईएन इस घटना की जांच कर रही हैं। स्पेन सरकार ने मोनक्लोआ में आपात बैठक बुलाई है और नागरिकों से अपील की है कि अनावश्यक रूप से 112 आपातकालीन नंबर पर कॉल न करें ताकि जरूरी सेवाएं प्रभावित न हों।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद पर पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाई

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में 'आतंकवाद के शिकार संघों के नेटवर्क' की समारोहपूर्वक स्थापना की गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजन पटेल ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने पाकिस्तान

को खरी-खोटी सुनाते हुए उसकी निंदा की। योजना पटेल ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार में लिप्त होने और भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने का प्रयास किया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने इस मंच का दुरुपयोग करने और इसे कमजोर करने का विकल्प चुना। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया ने हाल ही में एक टेलीविजन साक्षात्कार में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ को आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण और धन देने के पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार करते हुए सुना है। योजना पटेल ने कहा कि यह खुला कुबूलनामा अब आश्चर्यचकित नहीं करता बल्कि पाकिस्तान को एक दुष्ट राज्य के रूप में उजागर करता है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। दुनिया अब और आंखें नहीं मूंद सकती।संयुक्त राष्ट्र की न्यूज वेबसाइट के अनुसार, यह नेटवर्क सितंबर 2022 में आयोजित आतंकवाद के पीड़ितों की पहली संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कांग्रेस का महत्वपूर्ण परिणाम है। इस मौके पर आतंकवाद-रोधी मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव ने राष्ट्रीयता, जातीयता या धर्म की परवाह किए बिना सभी पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की और उनके साहस और लचीलेपन को श्रद्धांजलि दी।

भारत के रक्षा मंत्री से मिले नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. भट्टराई, पहलगाम आतंकी हमले को बताया निंदनीय

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और माओवादी के पूर्व नेता डॉ. बाबूराम भट्टराई ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से नई दिल्ली में मुलाकात की। डॉ. भट्टराई ने कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस घटना की कड़ी निंदा की। दोनों नेताओं ने नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत करने और विकास और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने को लेकर चर्चा की। डॉ. भट्टराई ने नेपाल के समग्र विकास में

भारत के सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के जन स्तर के संबंध को और अधिक मजबूत करने के लिए समान रूप से हमेशा प्रयास करने की आवश्यकता की है। डॉ. भट्टराई ने कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर हाल ही में हुए आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया और इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने बताया कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की ओर से उठाए जाने वाले सभी कदमों का नेपाल पूरा समर्थन करता है। डॉ. भट्टराई वर्तमान में प्रगतिशील नेपाली समाज समिति, भारत के सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए भारत यात्रा पर हैं। दिल्ली में डॉ. भट्टराई ने नेपाल में भारत के चार पूर्व राजदूतों से भी सामूहिक मुलाकात की है। इस दौरान नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत राकेश सूद, जयंत प्रसाद, रंजीत रे और मंजीव सिंह पूरी मौजूद रहे।

कनाडा में भारतीय छात्रा वंशिका की मौत पर उच्चायोग ने दुख जताया

एजेंसी

ओटावा। कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने भारतीय छात्रा वंशिका सैनी की मौत पर दुख जताया है। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर कहा, 'ओटावा में भारत की छात्रा वंशिका की मौत की सूचना पाकर हम बहुत दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है और मामले की जांच की जा रही है।'

भारतीय उच्चायोग ने कहा, 'हम हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए शोक संतप्त परिजनों और स्थानीय सामुदायिक संघों के साथ निकट संपर्क में हैं।' उल्लेखनीय है कि वंशिका ढाई साल पहले भारत से कनाडा पढ़ाई के लिए आई थी। वह ओटावा में एक शैक्षणिक संस्थान में स्टडी कर रही थी। वह 25 अप्रैल को रात करीब नौ बजे किराये का कमरा तलाशने के लिए घर से निकली थी। ओटावा में

वंशिका की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव समुद्र के किनारे मिला। परिजनों ने वंशिका की हत्या की आशंका व्यक्त की है। वंशिका भारत के पंजाब के आम आदमी पार्टी विधायक कुलजीत सिंह रंधावा के सहयोगी दविंदर सैनी की बेटी है। वंशिका ने 18 अप्रैल को आखिरी एग्जाम दिया था।

अमेरिकी हमले में यमन के प्रवासी हिरासत केंद्र पर 68 लोग मारे गए

लंदन। यमन के नागरिक सुरक्षा संगठन ने आज सुबह टेलीग्राम पर पोस्ट करके दावा किया है कि यमन में रात को हुए अमेरिकी हवाई हमले में सादा प्रांत में प्रवासी हिरासत केंद्र पर कम से कम 68 लोग मारे गए।

इस हमले में 47 अन्य लोग घायल हो गए।अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार यमन नागरिक सुरक्षा संगठन ने दावा किया है कि इस केंद्र में करीब 100 अफ्रीकी प्रवासी रह रहे थे। हमले पर अमेरिका ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। प्रवासियों के केंद्र पर कथित हमले की सूचना से पहले अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि यमन में 15 मार्च से ईरान समर्थित हूथी के खिलाफ अभियान तेज किया गया है। उसके 800 से अधिक लक्ष्यों पर हमलाकर सैकड़ों लड़ाकों का सफाया किया गया है। कमांड ने कहा कि अमेरिकी हमलों ने रास ईसा पोर्ट की ईंधन क्षमता को नष्ट कर दिया है।

दक्षिणी ईरान के बंदरगाह पर विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हुई

एजेंसी

तेहरान। दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास के शाहिद राजाई बंदरगाह पर 26 अप्रैल को एक ईंधन टैंकर पर हुए शक्तिशाली विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई। संकट प्रबंधन विभाग के महानिदेशक मेहरदाद हसनजादेह ने इसकी पुष्टि की। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (इरना) ने मेहरदाद हसनजादेह के आज जारी बयान के हवाले से यह सूचना साझा की। हसनजादेह ने कहा कि विस्फोट के बाद लगी आग में झुलसे 1,072 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। 138 लोग अभी भी अनेक अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से नौ को विशेष उपचार के लिए होर्मोजगन प्रांत के बाहर के अस्पतालों खतम अल-अनबिया, शाहिद मोहम्मदी, खालिज-ए फार्स, साहेब अल जमान और सेना के सैय्यद अल-शुहादा में स्थानांतरित किया गया है। ईरानी अधिकारियों ने विस्फोट के कारणों की जांच के लिए टीम बनाई है। इस विस्फोट ने बंदरगाह को तहस-नहस कर दिया है। लगभग 2,400 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले शहीद राजाई बंदरगाह की वार्षिक माल ढुलाई की क्षमता 70

मिलियन टन है। इस्लामी गणराज्य के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने शाहिद राजाई बंदरगाह पर हुए हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। खामेनेई ने सुरक्षा और न्यायिक अधिकारियों को जांच करने का काम सौंपा है।

भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने वाला पहला देश बन सकता है : ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि टैरिफ (आयात-निर्यात पर लगने वाला शुल्क) के बीच देशों के साथ नए सिरे से आर्थिक रिश्ते बनाए जाएं। इसी वजह से भारत शायद अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने वाला पहला देश बन सकता है। उन्होंने कहा, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पिछले हफ्ते भारत गए थे और उन्होंने वहां हुई अच्छी प्रगति की बात की। उन्होंने सीएनबीसी से कहा, मुझे लगता है कि भारत उन शुरुआती देशों में होगा, जिनके साथ हम व्यापार समझौता करेंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि पहला व्यापार समझौता पिछले हफ्ते ही हो सकता था।ट्रंप के चुनाव अभियान का एक बड़ा वादा व्यापार संबंधों को नए तरीके से तय करना था। अब जब वह राष्ट्रपति बनने के 100वें दिन में पहुंच रहे हैं, तो ऐसे समय में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के साथ समझौता उनके लिए बड़ी कामयाबी मानी जाएगी। पिछले हफ्ते बेसेंट ने पत्रकारों से कहा था कि भारत के साथ समझौता जल्दी ही हो सकता है।उन्होंने कहा, भारत में टैक्स के अलावा व्यापार में रुकावटें कम हैं, वहां मुद्रा में कोई गड़बड़ी नहीं होती और सरकारी सब्सिडी भी बहुत कम है, इसलिए भारत के साथ समझौता करना काफी आसान है। पिछले हफ्ते भारत दौरे के दौरान वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से व्यापार को लेकर बातचीत की थी। दोनों देशों ने कहा कि बातचीत आगे बढ़ाने के लिए एक योजना तैयार कर ली गई है। वेंस ने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और भारत ने व्यापार बातचीत के नियमों को आधिकारिक रूप से तय कर लिया है।

स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिपः डिंग बाहर, सि जियाहुई ने क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

लंदन। चीन के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी डिंग जुन्हुई स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गए। उन्हें गत चैम्पियन बेल्जियम के लुका ब्रेसेल ने 13-4 के बड़े अंतर से हराया। वहीं, उनके हमवतन और युवा खिलाड़ी सि जियाहुई ने लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

डिंग जुन्हुई का सपना फिर अधूराः 38 वर्षीय डिंग पहले ही सोमवार के फाइनल सत्र से पहले लगभग हार के करीब थे। वह ब्रेसेल से 12-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रेसेल ने महज 15 मिनट में 71 अंकों की ब्रेक लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब वह क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जुड ट्रंप से भिड़ेंगे। डिंग, जिनके नाम 15 रैंकिंग खिताब हैं, अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत सके हैं। इस साल उन्होंने जर्मनी के जाक सुरेटी को 10-7 से हराकर पांच साल में पहली बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई थी।

सि जियाहुई ने फिर दिखाया दमःदूसरी ओर, 22 वर्षीय सि जियाहुई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के बेन वूलास्टन को 13-10 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। वर्ल्ड नंबर-13 सि अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए सात बार के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के रॉनी ओ'सुलिवन से भिड़ेंगे। ओ'सुलिवन ने चीन के पांग जूनशू को 13-4 से हराया।

ग्रांड चेस टूर पोलैंड रैपिड: चिथंबरम और प्रज्ञानानंद ने तीसरे दिन चमक बिखेरी

नई दिल्ली। पोलैंड में जारी ग्रांड चेस टूरः सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट के तीसरे दिन भारत के अरविंद चिथंबरम और आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन किया। अरविंद चिथंबरम ने दूसरे दिन की शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए आज सातवें और नौवें राउंड में जान-क्रिज़टोफ़ डूडा और अलीरेज़ा फिरोजजा को हराया। इस जीत के साथ वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुँच गए हैं। चिथंबरम ने अब तक चार मुकाबले जीते हैं, हालांकि दो मुकाबलों में उन्हें हार का सामना भी करना पड़ा है। वहीं प्रज्ञानानंद ने दूसरे दिन के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरते हुए डेविड गब्रिलेस्कु और डूडा के खिलाफ लगातार दो जीत दर्ज कीं। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें अंकतालिका में चौथे स्थान पर पहुंचा दिया है। खास बात यह रही कि तेज चालों वाले मुकाबलों में उनकी सटीकता ने उन्हें बढ़त दिलाई।

फेडोसीव शीर्ष पर बरकरार

रूस के व्लादिमीर फेडोसीव अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। हालांकि उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते हैं, लेकिन उनकी पिछली छह बाजियाँ ड्रॉ रही हैं। दूसरी ओर, वेसलिन टोपालोव सबसे निचले पायदान पर हैं, जो अब तक छह हार के साथ केवल पांच अंक ही जुटा सके हैं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ किस्मत बदलने की कोशिश करेगी सीएसके

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका है लेकिन वह पंजाब किंग्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी किस्मत बदलने की कोशिश करेगा। पांच बार की चैंपियन चेन्नई के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है और वह नौ मैचों में से सिर्फ दो जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी तरफ पंजाब किंग्स नौ मैचों में पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और वह लगातार हार से निराश चेन्नई के खिलाफ जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा। चेन्नई के लिए सबसे निराशाजनक बात लंबे समय से उसके गढ़ माने जाने वाले चेपक में घरेलू परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में असफल रहना है। चेन्नई की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए टूर्नामेंट की अपनी तीसरी जीत दर्ज करने के लिए बेताब होगी।

तेंदुलकर से लेकर युवराज तक, दिग्गज क्रिकेटरों ने वैभव सूर्यवंशी की शतकीय पारी की तारीफ की

नई दिल्ली। सचिन तेंदुलकर सहित क्रिकेट जगत की मशहूर हस्तियों ने 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की सराहना करते हुए इस विलक्षण बालक को एक उभरता हुआ सितारा बताया। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए सूर्यवंशी ने सोमवार की रात जयपुर में खेले गए आईपीएल मैच में गुजरात टाइटंस के राशिद खान को मिडविकेट पर छक्का लगाकर टी20 में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाला खिलाड़ी बनने के बाद क्रिकेट जगत को अपना दीवाना बना दिया। भारत की तरफ से 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले तेंदुलकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्लेबाजी की गति, लेंथ का जल्दी अनुमान लगाना और अपनी पूरी शक्ति गेंद पर लगा देना उनकी शानदार पारी का नुस्खा था। इसका परिणाम यह था कि वह 38 गेंद पर 101 रन बनाने में सफल रहे। बहुत अच्छी पारी खेली।' सूर्यवंशी ने 35 गेंद में शतक जड़कर राजस्थान रॉयल्स के पूर्व बल्लेबाज यूसुफ पठान के किसी भारतीय के टी20 में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

आगे बढ़ने और आगामी मुकाबलों पर ध्यान देने की जरूरत : हर्षित राणा

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुक़ाबले से पहले टीम के दोबारा जीत की राह पर लौटने का विश्वास जताया है। मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राणा ने हालिया हार को भुलाकर भविष्य की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। हर्षित राणा ने कहा, जितना हम अपने पिछले दो मुकाबलों के परिणामों को पीछे छोड़ेंगे, हमारे लिए उतना ही बेहतर रहेगा। अगर हम उन हारों को लेकर ज्यादा सोचेंगे तो टीम का मनोबल प्रभावित हो सकता है। हमें अब आगे के सभी मैच जीतने का लक्ष्य रखना है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम की सतह को लेकर राणा ने कहा, यहां आमतौर पर उछाल कम होता है। पिछली भिड़ंत में भी देखने को मिला कि गेंद धीमी हो रही थी और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के

गेंदबाजों ने इसका लाभ उठाया। उन्होंने कहा कि सफल होने के लिए ज़रूरी है कि टीम जल्द से जल्द खेल क्षेत्र की प्रकृति को समझे और उसी के अनुसार रणनीति बनाए। हर्षित ने कोलकाता के भारतीय गेंदबाज़ी दल की तारीफ करते हुए कहा, हमारा भारतीय गेंदबाज़ी दल बेहद मजबूत है। किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारी गेंदबाज़ी काफी प्रभावी रही है। अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए राणा ने कहा कि वे इस सत्र में और बेहतर करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, रिवर्स स्विंग अब बहुत अहम हो गया है। इसके अलावा, अब हम फिर से गेंद पर लार (सलाइवा) का उपयोग कर सकते हैं, जिससे अंतिम ओवरों में गेंदबाज़ी करना आसान हुआ है। टीम के सहयोगी दल की सराहना करते हुए राणा ने विशेष रूप से सहायक प्रशिक्षक अभिषेक नायर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, अभिषेक नायर क्रिकेट को गहराई से समझते हैं और भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता से भली-भांति परिचित हैं। उनकी मौजूदगी ने मेरे खेल में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक इस सत्र में नौ मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें तीन में जीत मिली है। उनका पिछला मुक़ाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ वर्षा के कारण रद्द हो गया था। अब टीम दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध मजबूत वापसी की उम्मीद कर रही है, जो नौ मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद है।

संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भनाला व रघुनाथपुरा विद्यालय ने मारी बाजी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के वायुसेना स्टेशन स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के खो-खो, जूडो, ताइक्वांडो और शतरंज मुकाबलों में विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई जिसमें खो-खो प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय भनाला और रघुनाथपुरा ने अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं केंद्रीय विद्यालय रेवाड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सिरसा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अंडर-17 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय मानेसर तीसरे स्थान पर रहा।इस दौरान मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एन विश्वनाथ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और जीवन में अनुशासन व टीम भावना का विकास होता है। सहायक आयुक्त भूपेश भट्ट ने हार-जीत को जीवन का हिस्सा बताते हुए छात्रों को हार के बाद भी निराश न होने और निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने बताया कि श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का चयन केंद्रीय विद्यालय संगठन की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए किया गया है। प्रतिभागियों को संगठन की ओर से मेडल और प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे। जूडो अंडर-14 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 गुरुग्राम की अंशिका व इसी स्कूल से अंडर-17 वर्ग में भूमिका ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शतरंज अंडर-14 वर्ग में एयरफोर्स स्टेशन गुरुग्राम की लक्षिता ने स्वर्ण पदक जीता, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पालुवास से नताशा ने रजत पदक और मानसवी ने कांस्य पदक हासिल किया।

आईपीएल 2025: 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी का आया तूफान, बना डाले कई रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के नन्हे सितारे वैभव सूर्यवंशी ने महज 14 साल की उम्र में आईपीएल रिकॉर्ड बुक्स को हिला कर रख दिया। 38 गेंदों पर धमाकेदार 101 रन बनाकर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। आइए डालते हैं एक नजर इस ऐतिहासिक पारी पर-

35 गेंदों में शतकः भारतीय बल्लेबाजों में सबसे तेज

वैभव सूर्यवंशी ने 35 गेंदों में शतक पूरा कर आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। इससे पहले केवल क्रिस गेल (30 गेंद) ने 2013 में ऐसा कारनामा किया था। सूर्यवंशी ने युसुफ पठान (37 गेंद, 2010) का रिकॉर्ड तोड़कर सबसे तेज भारतीय आईपीएल शतक का नया इतिहास रच दिया।

तेजतर्रार आईपीएल शतकः
क्रिस गेल - 30 गेंद
वैभव सूर्यवंशी - 35 गेंद
युसुफ पठान - 37 गेंद

सबसे कम उम्र में टी20 और प्रोफेशनल क्रिकेट में शतक

सिर्फ आईपीएल ही नहीं, बल्कि पूरी प्रोफेशनल क्रिकेट में भी वैभव सूर्यवंशी सबसे कम उम्र (14 साल 32 दिन) में शतक लगाने वाले

खिलाड़ी बन गए। उन्होंने विजय झोल (18 साल 118 दिन) और पाकिस्तान के जहूर इलाही (15 साल 209 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

सबसे युवा टी20 शतकवीरः
वैभव सूर्यवंशी - 14 साल 32 दिन
विजय झोल - 18 साल 118 दिन

रिकॉर्ड्स की झड़ीः फिफ्टी, सिक्सेस और साझेदारी

17 गेंदों में फिफ्टीः वैभव ने सिर्फ 17 गेंदों में अर्धशतक जड़कर किसी अनकैप्ड भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज पहली फिफ्टी का रिकॉर्ड भी बनाया।

11 छक्केः एक पारी में सबसे ज्यादा 11 छक्के लगाने वाले भारतीयों में अब उनका नाम भी शामिल हो गया है। इससे पहले मुरली विजय ने 2010 में ऐसा कारनामा किया था।

166 रन की साझेदारीः यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर उन्होंने पहले विकेट के लिए 166 रन जोड़े, जो राजस्थान रॉयल्स के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी बन गई।

टीम रिकॉर्ड्स भी टूटे

राजस्थान रॉयल्स ने पावरप्ले (6 ओवर) में 87 रन बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर दर्ज किया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ 200 से ज्यादा के लक्ष्य को 25 गेंद बाकी रहते चेज कर लिया जो आईपीएल में 200+ लक्ष्य के सबसे बड़े अंतर से चेज का रिकॉर्ड है।

वैभव सूयवंशी के शानदार शतक की मदद से राजस्थान ने गुजरात को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

जयपुर। आईपीएल 2025 के 47वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को 8 विकेट से हराया है। गुजरात ने 4 विकेट खोकर 209 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के शानदार शतक की मदद से राजस्थान ने 16 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस की ओर से मिले 210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल ने धमाकेदार शुरुआत की। युवा वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने पहले विकेट के लिए 166 रन की साझादारी की। अच्छी पार्टनरशिप के अलावा यहां रनगति भी काफी तेज रही। दोनों ने मात्र 12 ओवर में यह साझेदारी बनाई। वैभव ने 35 गेंदों में शतक पूरा करते हुए 38 गेंदों में 11 छक्का और 7 चौकों की मदद से 101 रन की पारी खेली। वैभव के अलावा, यशस्वी जायसवाल ने 40 गेंदों में 70 रनों की नाबाद पारी खेली। उनका भरपूर साथ कप्तान रियान पराग ने भी 15 गेंदों में 32 रन बनाकर दिया।गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी

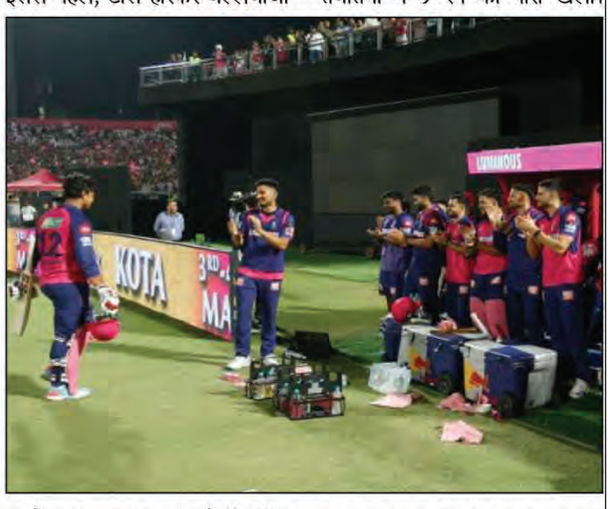

करते हुए गुजरात टाइटंस ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 209 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने 50 गेंदों पर 84 रन की पारी खेली। वहीं जोस बटलर 26 गेंदों पर 50 रन बनाकर नाबाद रहे। साई सुदर्शन के बल्ले से भी 39 रन निकले। वॉशिंगटन सुंदर ने 13 और राहुल तेवतिया ने 9 रन की पारी खेली। शाहरुख खान 5 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान के लिए महीश तीक्ष्णा ने दो विकेट चटकाए। जबकि जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

वाराणसी में जिला एवं राज्य स्तरीय कराटे पदक विजेताओं का सम्मान समारोह सम्पन्न

एजेंसी

वाराणसी। कानि नजुकु आर. बी. मार्शल आर्ट्स अकादमी के तत्वावधान में जिला एवं राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भगवानपुर के पार्षद अमित सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी अमित राय ने की। दोनों अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर अपने संबोधन में समाजसेवी अमित राय ने कहा कि खेलों के माध्यम से आज देश के युवाओं में आत्मविश्वास और

मनोबल में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। खेल अनुशासन, समर्पण और मानसिक एवं शारीरिक विकास का माध्यम बनकर युवा पीढ़ी को सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है और देश का युवा हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। सम्मानित खिलाड़ियों में आर्याही सहगल, धैर्य बरनवाल, वेदांत मिश्रा, देवेंद्र राय, शिवेश शर्मा, आदर्श सिंह, सताक्षी, अक्षर मित्तल, अरनव राय और सूर्यांश सहगल शामिल रहे। साथ ही, कोच आदर्श सोनकर और अदिति सोनकर को भी उनके मार्गदर्शन और उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में खिलाड़ियों के अभिभावक प्रभाकर शर्मा, कनक मित्तल, प्रीति सहगल, गौरव सहगल समेत अनेक गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला।

टेनिस में विविधता बढ़ाने के लिए यूएसटीए और एटीए की नई पहल, ब्लैक खिलाड़ियों को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राज्य टेनिस संघ (यूएसटीए) और अमेरिकन टेनिस एसोसिएशन (एटीए) ने टेनिस में विविधता बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई पहल की घोषणा की, जिसका मुख्य फोकस खेल में ब्लैक (अश्वेत) प्रतिनिधित्व को बढ़ाना है।टेनिस को लंबे समय से एक श्वेत-प्रधान खेल के रूप में देखा जाता रहा है, और अब तक सिर्फ दो ब्लैक पुरुष खिलाड़ी – आर्थर ऐश और यानिक नोआ – ही किसी ग्रैंड स्लैम खिताब को जीत सके हैं। यहां तक कि शीर्ष स्तर पर भी अश्वेत खिलाड़ियों को भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। यूएसटीए की चीफ डाइवर्सिटी, इक्विटी एंड इंक्लूजन ऑफिसर, मारिसा ग्रिम्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम एटीए के साथ अपने संबंधों को औपचारिक रूप देने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। एटीए ने ऐतिहासिक रूप से टेनिस को अधिक समावेशी और विविधतापूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाई है। एटीए की स्थापना 1916 में उस समय हुई थी जब यूएसटीए के पूर्ववर्ती संगठन, यूनाइटेड स्टेट्स लॉन टेनिस एसोसिएशन ने अश्वेत खिलाड़ियों को संगठित टूर्नामेंटों में श्वेत खिलाड़ियों के साथ खेलने से रोक दिया था।

आईपीएल सीजन : धर्मशाला में 900 पुलिस अधिकारी व जवान संभालेंगे सुरक्षा और ट्रैफिक का जिम्मा

एजेंसी

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट धर्मशाला में होने वाले तीन आईपीएल मैचों के दौरान करीब 900 पुलिस अधिकारी व कर्मचारी सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालेंगे। मैचों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सहित शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के लिए भी प्लान बनाया गया है। मैचों के दौरान पुलिस मैदान, फुटबॉल ग्राउंड व दाड़ी में वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। पुलिस विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरे शहर को छह सेक्टर में बांटा गया है। पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक्शन प्लान तैयार कर लिया गया है। जिसमें टीमों के पंहुचने से पूर्व 30 अप्रैल को ही पुलिस जवानों की शहर के चप्पे-चप्पे में तैनाती कर दी जाएगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में होने वाले तीन आईपीएल मैचों के लिए पुलिस मैदान धर्मशाला, फुटबॉल ग्राउंड चरान व दाड़ी मेला ग्राउंड में पार्किंग

की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही वीवीआईपी पार्किंग साई मैदान में रहेगी, जबकि बॉयज स्कूल में मीडिया पार्किंग होगी। साथ ही आईपीएल मैचों वाले दिन चार, आठ व 11 मई के लिए शहर में ट्रैफिक प्लान भी बनाया गया है। जिसमें कॉलेज से स्टेडियम रोड़ व आईटीआई दाड़ी मार्ग में वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रखी जाएगी। जबकि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को वनवे में भी तबदील किया जाएगा। उधर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि मैचों के दौरान 900 के करीब जवानों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक प्लान भी तैयार किया गया है, जिसके तहत ही वाहनों की आवाजाही करवाई जाएगी। मैचों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक व्यवस्था एक बड़ी चुनौती रहती है जिसे बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने के लिये योजना तैयार की गई है। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में इस सीजन के तीन आईपीएल मैच खेले जाने हैं। पंजाब किंग्स के होम ग्राउंड धर्मशाला में पंजाब चार मई को अपना पहला मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ खेलेगा। वहीं आठ मई को पंजाब की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स के साथ होगी। यह दोनों मैच शाम साढ़े सात बजे शुरू होंगे। वहीं 11 मई को पंजाब और मुंबई इंडियंस के बीच दिन में साढ़े तीन बजे से मैच शुरू होगा।

फुटबॉलः डू लाइक स्पोर्टर्स क्लब ने एचपीएफए को हराया

धर्मशाला। शहीद मेजर दुर्गा मल और कैप्टन दल बहादुर फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन डू लाइक स्पोर्ट्स क्लब ने 4-0 के अंतर से एचपीएफए

को हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस मैच में डू लाइक स्पोर्ट्स क्लब के जीवन ने लगातार तीन गोल करके अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शहीद मेजर दुर्गा मल और कैप्टन दल बहादुर फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन सेवानिवृत कर्नल महेश गुरंग ने बतौर मुख्यातिथि मैच का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजन समिति की पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवा सेवा एवं खेल विभाग की तरफ से करवाई जा रही अंतर स्कूल खेल प्रतियोगिताओं की हुई शुरुआत

एजेंसी

आरएस पुरा। युवा सेवा एवं खेल विभाग की तरफ से अंतर स्कूल खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत की गई। आरएस पुरा के बाना सिंह मैदान में शुरू हुई इन खेल प्रतियोगिताओं के उद्घाटन के मौके पर एसडीएम आरएस पुरा अनुराधा ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही जिन्होंने खिलाड़ियों से भेंट करने के बाद इन खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत करवाई। इसके अलावा उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ उनके जीवन में खेलों के महत्व के प्रति भी जागरूक किया। इस मौके पर उनके साथ जोनल फिजिकल एजुकेशन ऑफिसर आरएस पुरा उमेशनंद के साथ-साथ युवा सेवा एवं खेल विभाग के अन्य अध्यापक भी मौजूद रहे। बताते चलें कि अंतर स्कूल प्रतियोगिता 28 अप्रैल से लेकर 7 मई तक चलेगी जिसमें क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, चेस, कुश्ती

के साथ-साथ अन्य खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी जिसमें जोन के अधीन आने वाले सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।इस मौके पर एसडीएम आरएस पुरा ने युवा सेवा एवं खेल विभाग की तरफ से करवाई जा रही इस खेल प्रतियोगिता को लेकर कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन लगातार होते रहना चाहिए ताकि हमारी युवा पीढ़ी खेलों की तरफ आगे आ सके। एसडीएम ने कहा कि खेल ही एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों तथा नौजवानों को नशा जैसी बूरी आदतों से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आरएस पुरा क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र है और जहां के विद्यार्थियों की खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं काफी महत्वपूर्ण हैं। इस मौके पर जोनल शिक्षा फिजिकल अधिकारी आरएस पुरा उमेश आनंद ने बताया कि अंतर स्कूल खेल प्रतियोगिता के पहले दिन कबड्डी तथा चेस प्रतियोगिता हुई है और आने वाले दिनों में अन्य खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित होगी।

हॉकी इंडिया ने पी.आर. श्रीजेश को पद्म भूषण सम्मान मिलने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आज भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर और वर्तमान भारतीय जूनियर पुरुष टीम के कोच पी.आर. श्रीजेश को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के साथ श्रीजेश का नाम हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद के साथ जुड़ गया है। ध्यानचंद को 1956 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था, और लगभग सात दशकों बाद श्रीजेश ने भारतीय हॉकी में अपना अद्वितीय योगदान देकर इस गौरव को फिर से जीवित किया है। आधुनिक भारतीय हॉकी के भगवान के नाम से प्रसिद्ध श्रीजेश ने 18 वर्षों के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर में भारत के लिए 336 मैच खेले। उन्होंने पेरिस 2024 ओलंपिक्स के बाद पेशेवर हॉकी को अलविदा कहा, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को ब्रॉन्ज मेडल जिताने में मदद की। इससे पहले टोक्यो 2020 में भी उन्होंने भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। अपने करियर में श्रीजेश ने तीन बार एफआईएच 'गोलकीपर ऑफ द ईयर' (2021, 2022 और 2024) का पुरस्कार जीता, 2015 में अर्जुन पुरस्कार, 2021 में मेजर

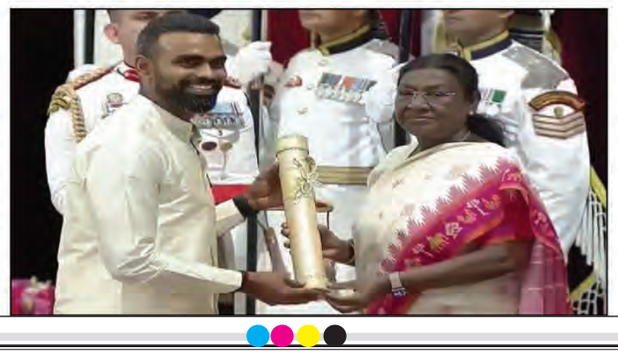

ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और 'वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर' का खिताब भी अपने नाम किया। 2010 में सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने के बाद से वह भारतीय डिफेंस के मजबूत स्तंभ रहे, अपनी संयमितता और दबाव में शानदार प्रदर्शन के लिए पहचाने गए। खिलाड़ी से कोच की भूमिका में भी श्रीजेश ने सफलता का परचम लहराया। उनकी कोचिंग में भारतीय जूनियर टीम ने नवंबर 2024 में जूनियर एशिया कप का खिताब जीता। श्रीजेश ने चार ओलंपिक खेलों (लंदन 2012, रियो 2016, टोक्यो 2020 और पेरिस 2024), दो एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक (2014 और 2022), एक कांस्य पदक (2018) और दो कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक (2014 और 2022) हासिल किए। साथ ही, एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की चार बार (2011, 2016, 2018 और 2023) जीत में भी उनका अहम योगदान रहा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने इस उपलब्धि पर कहा, पी.आर. श्रीजेश का भारतीय हॉकी में योगदान अद्वितीय रहा है। खिलाड़ी और कोच दोनों रूपों में उन्होंने उत्कृष्टता और नेतृत्व का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। पद्म भूषण उनके प्रेरणादायक करियर के लिए एक उपयुक्त सम्मान है।

श्रुति हासन

ने माता-पिता के तलाक के बाद के संघर्ष को किया याद, बोलीं- मैं खुद को कमतर समझती थी...

श्रुति हासन, जो सुपरस्टार कमल हासन और एक्ट्रेस सारिका की बेटी हैं, ने अपने दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ, पैरेंट्स के तलाक, और संघर्ष के दिनों को लेकर खुलकर बात की।

श्रुति हासन, जो सुपरस्टार कमल हासन और एक्ट्रेस सारिका की बेटी हैं, ने अपने दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ, पैरेंट्स के तलाक, और संघर्ष के दिनों को लेकर खुलकर बात की।

पेरेंट्स के अलग होने के बाद विनम्र बन गई – श्रुति हासन

एक इंटरव्यू में श्रुति ने बताया कि उनके माता-पिता के तलाक के बाद उनकी जिंदगी अचानक बदल गई थी। उन्होंने कहा, जब हम चेन्नई से मुंबई शिफ्ट हुए, तो ऐसा नहीं था कि एक बड़े बंगले से दूसरे बंगले में गए। मुंबई में रहना आसान नहीं था। लग्जरी नहीं थी। लेकिन मुझे इस बदलाव से बहुत कुछ सीखने को मिला। श्रुति ने आगे कहा कि पहले वो मर्सिडीज में घूमती थीं और फिर लोकल ट्रेन में सफर करने लगीं। ये बदलाव उनके लिए एक बड़ी सीख थी।

कॉन्फिडेंस की कमी ने बनाया एटीट्यूड वाला इंसान

श्रुति हासन ने अपने एटीट्यूड को लेकर भी ईमानदारी से बात की। उन्होंने कहा, लोग सोचते थे कि मेरे अंदर एटीट्यूड है, लेकिन वो इसलिए नहीं था कि मैं खुद को दूसरों से बेहतर समझती थी। बल्कि मुझे खुद पर भरोसा नहीं था, और मैं खुद को कमतर समझती थी। मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी थी।

पिता से फिर से जुड़ने के बाद गईं विदेश

श्रुति ने यह भी बताया कि चेन्नई से कुछ समय दूर रहने के बाद उन्होंने अपने पिता कमल हासन से दोबारा कनेक्ट किया। इसके बाद उन्होंने विदेश जाकर म्यूजिक की पढ़ाई की और अपने करियर की दिशा तय की।

श्रुति हासन का फिल्मी सफर

श्रुति हासन ने साल 2000 में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में अभिनय की शुरुआत की थी। फिर उन्होंने 2009 में फिल्म 'लक' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया, जैसे, दिल तो बच्चा है जी, रमैया वस्तावैया, तेवर, गब्बर इज़ बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम, बहन होगी तेरी और देवी। इसके अलावा श्रुति तेलुगू और तमिल सिनेमा में भी काफी एक्टिव हैं और अब साउथ इंडस्ट्री में ही ज्यादा फोकस कर रही हैं।

सोनल चौहान

ने की अनुष्का शर्मा की तारीफ, कहा- उनका साथ विराट को आध्यात्मिक रूप से परिपक्व बना रहा

फिल्म 'जन्नत' से बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोनल चौहान अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में वह

आईपीएल मैच देखने स्टेडियम में पहुंचीं और एक बातचीत में वह बॉलीवुड के पावर कपल अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के रिश्ते पर बात करती दिखीं। इतना ही नहीं, उन्होंने विराट के आध्यात्मिक पक्ष की सराहना भी की है।

सोनल का मानना है कि विराट कोहली के अध्यात्म की तरफ रुझान में अनुष्का का एक बहुत बड़ा रोल है। एक्ट्रेस के मुताबिक- जब कोई व्यक्ति सही और सकारात्मक लोगों के साथ रहता है, तो उसका असर उसके जीवन और सोच पर साफ दिखता है।

उन्होंने कहा- मुझे लगता है अनुष्का विराट की जिंदगी में एक शांत और स्थिर ऊर्जा लेकर आई हैं। उनका साथ विराट को आध्यात्मिक रूप से और भी परिपक्व बना रहा है, बातचीत के दौरान जब सोनल से पूछा गया कि अगर उनकी मुलाकात अचानक विराट कोहली से हो जाए, तो वह क्या कहेंगी, इस पर एक्ट्रेस ने मुस्कराते हुए कहा- मैं कहूंगी ङ्क जय श्रीराम और हर हर महादेव। क्योंकि मैंने उन्हें हाल ही में आध्यात्मिक और धार्मिक रील्स में देखा है। वह अब अध्यात्म की दिशा में बढ़ रहे हैं, और यह देखना प्रेरणादायक है।

बता दें, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा बी-टाउन इंडस्ट्री के चर्चित कपल्स में से एक हैं। विरुष्का की शादी साल 2017 में हुई थी। इसके बाद विराट की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिले। कपल को अक्सर वृंदावन के आश्रम, गुरुओं के दर्शन और कीर्तन में भाग लेते हुए देखा जाता है।

शरमन जोशी की 10 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में, एक ने इतिहास ही बना दिया था

बॉलीवुड एक्टर शरमन जोशी ने लगभग 26 साल पहले हिंदी सिनेमा में एंट्री ली थी. इनका शुरुआती करियर तो अच्छा नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे शरमन ने अपनी जगह इंडस्ट्री में बनाई. आज शरमन के खाते में कई हिट फिल्में हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की. शरमन जोशी की एक फिल्म ने तो भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया था.28 अप्रैल 1979 को नागपुर में जन्मे शरमन जोशी आज अपना 46वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं. वो गुजराती फैमिली से बिलॉन्ग करते हैं. गुजराती थिएटर्स के बाद इन्होंने हिंदी फिल्मों की तरफ रुख किया. शरमन जोशी के अब तक के करियर में ढेरों फिल्में आईं, लेकिन कुछ कमाल की फिल्में हैं, जिन्हें लोगों ने पसंद किया.

शरमन जोशी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में

एक्टर शरमन जोशी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में '3 इडियट्स' का नाम सबसे ऊपर है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे. यहां आपको उनकी 10 फिल्मों की कमाई के बारे में बताने जा रहे हैं.

'गॉडमदर'

1999 में आई विनय शुक्ला के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'गॉडमदर' उस साल की हिट फिल्म थी. फिल्म में शबाना आजमी लीड रोल में नजर आई थीं और बाकी कलाकारों में शरमन जोशी, अनिल चौधरी, विनीत कुमार, लवलीन जैसे कलाकारों ने भी काम किया था. बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, फिल्म 'गॉडमदर' का बजट 60 लाख था, जबकि फिल्म ने 1.80 करोड़ का कलेक्शन किया था.

'स्टाइल'

2001 में रिलीज हुई फिल्म 'स्टाइल' का डायरेक्शन एन चंद्रा ने किया था. इस फिल्म में शरमन जोशी लीड रोल में थे और उनके अलावा साहिल खान भी दिखे थे. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म 'स्टाइल' का बजट 2.5 करोड़ था जबकि इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 7.89 करोड़ रुपये था.

'गोलमाल: फन अनलिमिटेड'

2006 में रिलीज हुई फिल्म 'गोलमाल' रोहित शेट्टी ने बनाई थी, जिसके चार और पार्ट्स बाद में आए. इस फिल्म में अजय देवगन, शरमन जोशी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, रिमी सेन, परेश रावल जैसे कलाकार नजर आए थे. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म का बजट 11 करोड़ में था. इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 46.70 करोड़ का कलेक्शन किया था.

पड़ोसी के अंडरगारमेंट में परेश रावल चुपके से लगाते थे ये चीज, पहनते ही याद आ जाती थी नानी

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर और भाजपा नेता परेश रावल ने अपने करियर में कभी फैंस का दिल कॉमेडी किरदारों से जीता तो कभी दर्शकों के दिलों में विलेन के किरदारों से खास पहचान बनाई. लेकिन बड़े पर्दे पर खूंखार किरदार निभाने वाले परेश रावल बचपन में काफी शरारती किस्म के बच्चे हुआ करते थे. परेश शुरू से ही क्रिकेट के फैन रहे हैं और अब भी उन्हें ये खेल देखना पसंद है. हालांकि जब बचपन में उनके क्रिकेट खेलने पर पड़ोसी आपत्ति जताते थे तो परेश उनके अंडरगारमेंट में खुजली वाला पाउडर लगा देते थे. ये खुलासा हाल ही में परेश ने एक इंटरव्यू के दौरान किया.परेश रावल ने हाल ही में द लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में कई किस्से शेयर किए. उन्होंने सिनेमा, राजनीति, थिएटर और सेलेब्स के साथ अपने रिश्तों पर खुलकर बात की. इस दौरान उनसे कहा कि उनके स्कूल के दोस्तों का मानना है कि आप काफी दुष्ट किस्मे के थे. इस पर परेश ने कहा, 'हां, हर बच्चा होता है. मैं पकड़ा जाता था बस.

फिर उनसे कहा गया कि आप खुजली वाली चीज लगा देते थे. क्या हर बच्चा ऐसा करता था ? अभिनेता ने अपनी बात जारी रखते हुए वो किस्सा शेयर किया जब वो बचपन के दिनों में क्रिकेट खेलने के दौरान पड़ोसियों द्वारा आपत्ति जताए जाने पर उनके अंडरगारमेंट में खुजली वाला पाउडर लगा देते थे. परेश ने कहा, पड़ोसी दोपहर में क्रिकेट नहीं खेलने देते थे. कहते थे इधर नहीं खेलने का तो मैं कहता था ठीक है बेटा. तो उनके जो अंडरगारमेंट सूखते थे, तो लगा देते थे (खुजली वाला पाउडर). इसके आगे उन्होंने कहा ये सिर्फ मजाक होता था और कुछ नहीं.

परेश को पसंद है टेस्ट क्रिकेट

परेश से आगे पूछा गया कि आप सोसायटी मे बच्चों के साथ क्रिकेट नहीं खेल पाते थे. आपके आस-पास लोग भीड़ लगा देते थे. आपको रूमाल बांधकर क्रिकेट खेलना पड़ता था. इस पर एक्टर ने कहा, च्च्हांफ्र. वहीं जब अभिनेता से ये सवाल किया गया कि आपको क्रिकेट बहुत पसंद है ? इस पर उन्होंने बताया, फ्रनहीं यार, उतना नहीं. लेकिन अभी तो ये आईपीएल वगैरह सब थकान भरा हो गया है.फ्र फिर उनसे पूछा गया कि टेस्ट मैच पसंद है पांच दिन का ? परेश ने तुरंत कहा, फ्रहां, टेस्ट क्रिकेट में एक आर्ट है. इसमें इनिंग की बिल्डअप होती है.फ्र

होटलों और रेस्टोरेंट में सर्विस चार्ज पर सिंगल बेंच के आदेश को डिवीजन बेंच में चुनौती

नई दिल्ली

होटलों और रेस्टोरेंट में खाने का सर्विस चार्ज का भुगतान स्वेच्छा पर निर्भर होने के सिंगल बेंच के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच में चुनौती दी गई है। मंगलवार को ये मामला चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष लिस्टेड था, लेकिन वीडियो कांफ्रेंसिंग में तकनीकी खामियों की वजह से सुनवाई नहीं हो सकी। हाई कोर्ट इस मामले पर 9 मई को अगली सुनवाई करेगा। फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया और नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने जस्टिस प्रतिभा सिंह की सिंगल बेंच के आदेश को डिवीजन बेंच में चुनौती दी है। सिंगल बेंच ने 28 मार्च को अपने आदेश में कहा था कि होटलों और रेस्टोरेंट में खाने का सर्विस चार्ज देना ग्राहकों की स्वेच्छा पर निर्भर है। सिंगल बेंच ने कहा था कि होटल और रेस्टोरेंट ग्राहकों को सर्विस चार्ज के भुगतान के लिए बाध्य नहीं कर सकते। सिंगल बेंच में दायर याचिका में सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी के 4 जुलाई, 2022 के आदेश को चुनौती दी गई थी। हालांकि, सिंगल बेंच ने इस आदेश पर जुलाई, 2022 में ही रोक लगा दी थी। याचिका में कहा गया था कि सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी को सर्विस चार्ज पर रोक लगाने का क्षेत्राधिकार नहीं है। याचिका में कहा गया था कि सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने सर्विस चार्ज पर रोक लगाने से पहले याचिकाकर्ता का पक्ष नहीं सुना।

याचिका में कहा गया था कि ग्राहकों से सर्विस चार्ज वसूलने का फायदा रेस्टोरेंट के स्टाफ को मिलता है। ऐसा करने से रेस्टोरेंट के मालिकों के व्यवसाय के मौलिक अधिकारों की भी रक्षा होती है। इस दलील का विरोध करते हुए केंद्र सरकार ने कहा था कि याचिकाकताओं ने ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दिया कि सर्विस चार्ज से होटल और रेस्टोरेंट के स्टाफ को लाभ मिलता है। सुनवाई के दौरान सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए कहा था कि सर्विस चार्ज उपभोक्ताओं की गाढ़ी कमाई से वसूली जाती है।

खरगे, राहुल ने पहलगाम आतंकी हमले पर लिखा पीएम को पत्र

पीएम मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने का किया आग्रह

नई दिल्ली

कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले से उपजे देशव्यापी गुस्से के मद्देनजर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। दोनों ने प्रधानमंत्री मोदी से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 28 अप्रैल को लिखे पत्र में प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन जरूरी है। इसलिए संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र यथाशीघ्र बुलाया जाए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी ऐसा ही पत्र प्रधानमंत्री मोदी को लिखा है। उन्होंने भी प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाए। पत्र में कहा गया है, "इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना चाहिए कि हम आतंकवाद के

खिलाफ हमेशा एकजुट हैं।"

इस बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, "हमने कई विपक्षी दलों से बातचीत की और उसके बाद ही राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले पर विशेष सत्र बुलाने और चर्चा कराने की मांग की। इसका उद्देश्य दुनिया को यह सामूहिक संकल्प दिखाना है कि हम एक हैं। यह एकता का समय है, ध्रुवीकरण का नहीं। मौजूदा हालात को देखते हुए एकता और एकजुटता जरूरी है। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री संसद का विशेष सत्र बुलाएंगे और उसमें मौजूद रहेंगे।"

कांग्रेस के पोस्ट पर भाजपा का पलटवार, पोस्ट को बताया मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश

नई दिल्ली

इस्तेमाल करके कोई संदेह नहीं छोड़ा है। यह महज एक राजनीतिक बयान नहीं है; यह मुस्लिम वोट बैंक को साधने और प्रधानमंत्री के खिलाफ एक छिपी हुई उकसावेबाजी है। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस ने इस तरह की रणनीति अपनाई है। राहुल गांधी ने कई मौकों पर प्रधानमंत्री के खिलाफ हिंसा को उकसाया और उचित ठहराया है। फिर भी कांग्रेस कभी सफल नहीं होगी, क्योंकि प्रधानमंत्री को लाखों भारतीयों का प्यार और आशीर्वाद प्राप्त है। इसके विपरीत, कहावत के अनुसार अगर किसी की गर्दन कटी है, तो वह कांग्रेस है - जो अब बिना सिर के हाइड्रा में सिमट गई है, जो बिना दिशा के लड़खड़ा रही है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा- जिम्मेदारी के समय गायब।

कांग्रेस के विवादित पोस्ट पर भाजपा हमलावर, कहा- आतंकी हमले में पाक का साथ दे रही कांग्रेस

नई दिल्ली

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने वाले कांग्रेस के एक्स पर विवादित पोस्ट को लेकर उस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कांग्रेस पर पाकिस्तान का साथ देने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान को संकेत दे रही है कि इस आतंकी हमले में वह पाकिस्तान के साथ खड़ी है, न कि अपने देश के साथ। यह कांग्रेस द्वारा किया गया कोई मासूम पोस्ट नहीं है। यह हमारे देश की अखंडता को कमजोर करने और प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने की एक भयावह, जहरीली साजिश है। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी स्पष्टता से कहा कि आतंकियों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा और उनके आकाओं को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो जीवन भर याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की पूरी शक्ति जिसमें प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व, हमारी वीर सेना की ताकत और 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति, दुआएं और

प्रार्थना शामिल है, वो आज एक लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि एक ऐसा भारतीय राजनीतिक दल भी है, जो हमारे बीच रहता है, लेकिन अगर उसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने दृढ़ता से कहा है कि आतंकियों का सफाया किया जाएगा और उन्हें समर्थन देने वाले देश को उसकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी। इस मुद्दे पर पूरा देश एकजुट है। हालांकि, एक तथाकथित राष्ट्रीय पार्टी दुश्मन ताकतों के साथ गठबंधन करती दिख रही है। इसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहना पूरी तरह से अनुचित नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी जो भारत के हर नागरिक के लिए सुरक्षा की चट्टान हैं, उस चट्टान को तोड़ने की आज कांग्रेस कोशिश कर रही है। कांग्रेस में बिना राहुल गांधी की सहमति के पत्ता तक नहीं हिलता। राहुल गांधी के कहने पर ही ऐसे पोस्ट किए जाते हैं। भाटिया ने कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस की जुगलबंदी को लगता है कि वो भारतीय सरकार को कमजोर कर सकते हैं और हमारी सेना का मनोबल तोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सेना का मनोबल हिमालय से भी ऊंचा है। हमारी सरकार और हमारे देश का मनोबल चट्टान की तरह मजबूत है और किसी में भी इस समय इतना दम नहीं है कि वह देश का मनोबल तोड़ना तो दूर, कम भी कर सके। उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए सोमवार को एक विवादित पोस्टर जारी किया।

3 और 4 मई को होने वाली आईपीयू के दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षाएं की दिल्ली से बाहर भी होंगे परीक्षा केंद्र

दिव्य दिल्ली : आईपी यूनिवर्सिटी के विभिन्न प्रोग्राम में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षाएं (सीईटी) 3 और 4 मई को आयोजित की जाएंगी। यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. एल. भंडारकर ने बताया कि 3 मई को सुबह की पाली में एमएएमसी, एमपीटी, एमसीए, बी एससी(योग) और एमएस(पैकेजिंग टेक्नोलॉजी) की प्रवेश परीक्षाएं होगी और शाम की पाली में डिप्लोमा धारकों के लिए लेटरल एंट्री टू बी. टेक, बीएड(स्पेशल एजुकेशन) और एमएस(मेडिसिनल केमिस्ट्री एंड ड्रग डिजाइन) की प्रवेश परीक्षाएं हैं। 4 मई को सुबह की पाली में बीबीए/बीबीए-एमबीए की प्रवेश परीक्षा और शाम की पाली में बीकॉम (ऑनर्स) की प्रवेश परीक्षा है । एडमिट कार्ड यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर मौजूद लिंक से संबद्ध प्रवेश परीक्षा से करीब पांच दिन पहले डाउनलोड किया जा सकता है। ये प्रवेश परीक्षाएं पहले ही की तरह पेपर-पेन मोड में ओएएमआर शीट पर आयोजित की जायेंगी। प्रश्न बहुविकल्प श्रेणी के होंगे। उत्तर गलत होने पर निगेटिव मार्किंग का प्रावधान भी है। मिडिया से साझा जानकारी में डॉ. भंडारकर ने बताया कि ये परीक्षाएं दो पालियों- सुबह और शाम- में आयोजित की जायेंगी। सुबह की पाली 10 बजे से साढ़े बारह बजे की और शाम की पाली ढाई बजे से पाँच बजे की होगी। आवेदकों की सुविधा के लिए 3 और 4 मई को आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षाएं दिल्ली- एनसीआर के अलावा लखनऊ, जयपुर, चंडीगढ़ एवं कोलकाता स्थित परीक्षा केंद्रों पर भी आयोजित की जायेंगी, साथ ही डॉ. भंडारकर ने यह स्पष्ट कर दिया कि परीक्षा केंद्र या पाली में परिवर्तन का कोई रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं किया जाएगा। इन प्रवेश परीक्षाओं से जुड़ी किसी भी असुविधा के निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर 25302278 या 25302263 पर संपर्क किया जा सकता है। इस प्रयोजन के लिए विशेष तौर पर बनाई गई ईमेल आईडी पर भी मेल कर समस्या का समाधान पाया जा सकता है, साथ ही इस संदर्भ में विस्तृत विवरण यूनिवर्सिटी की दोनों वेबसाइट www.ipu.ac.in और www.ipu.admissions.nic.in पर उपलब्ध है।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता प्रगति की ओर

नई दिल्ली

भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों की वाशिंगटन में बैठक हुई है। इसमें द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी वार्ता पर चर्चा हुई है जिसमें सकारात्मक प्रगति है। टीम ने 2025 की शरद ऋतु तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने के उपायों पर चर्चा की, जिसमें शुरूआती पारस्परिक लाभप्रद अवसर भी शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने आज इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार भारत-अमेरिका द्विपक्षीय

व्यापार समझौते पर चल रही चचाओं के हिस्से के रूप में भारत के वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के प्रतिनिधियों ने 23 से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन, डी.सी. में मुलाकात की। नई दिल्ली में मार्च, 2025 में आयोजित द्विपक्षीय चचाओं के बाद यह बैठक हुई थी। वाशिंगटन, डी.सी. में बैठकों के दौरान, टीम ने टैरिफ और गैर-टैरिफ मामलों को कवर करने वाले व्यापक विषयों पर लाभदायक चर्चा की। यह ध्यान देने योग्य बात है कि वर्चुअल तौर पर क्षेत्रवार विशेषज्ञ स्तर की बैठकें लाभदायक रही हैं और मई के अंत से व्यक्तिगत क्षेत्रवार बैठकों की योजना है। ये लाभदायक चचाएं द्विपक्षीय व्यापार समझौते के माध्यम से भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों और आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण को आगे बढ़ाने और विस्तारित करने के लिए फरवरी 2025 में नेताओं के वक्तव्य के अनुरूप द्विपक्षीय प्रयासों का हिस्सा हैं।

मेहुल चोकसी ने बेल्जियम कोर्ट में दायर की नई याचिका, गिरफ्तारी को बताया अवैध और अन्यायपूर्ण

ब्रुसेल्स

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपित और भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम की अपीलीय अदालत में एक नई याचिका दायर की है, जिसमें उसने अपनी गिरफ्तारी को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन और प्रक्रियागत अनियमितताओं के आधार पर चुनौती दी है। अदालत ने इस मामले में फिलहाल सुनवाई स्थगित कर दी है। चोकसी की ओर से यह याचिका उनके अधिवक्ता विजय अग्रवाल द्वारा तैयार की गई है और बेल्जियम में नियुक्त उनकी कानूनी टीम ने इसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। याचिका में दावा किया गया है कि भारतीय प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद उसकी गिरफ्तारी के दौरान बेल्जियम अधिकारियों ने निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया और उसे मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया। अधिवक्ता विजय अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा, ह्लमेरे मुवक्किल के साथ न्यायिक प्रक्रिया में न केवल लापरवाही बरती गई, बल्कि उसे उसके मौलिक अधिकारों से भी वंचित किया गया। यह गिरफ्तारी प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। चोकसी ने याचिका में यह भी मांग की है कि उसे तत्काल रिहा किया जाए क्योंकि उसकी गिरफ्तारी गैर-कानूनी और असंवैधानिक थी। यह नई अपील तब दायर की गई है जब कुछ ही दिन पहले बेल्जियम की एक अदालत ने 13,500 करोड़ रुपये के पीएनबी धोखाधड़ी मामले में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

वक्फ संपत्ति बेचे जाने पर किरायेदार और खरीददार को नोटिस, अगली सुनवाई 14 मई को

नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने शाहदरा में एक वक्फ संपत्ति को किरायेदार की ओर से बेचे जाने की शिकायत पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस, दिल्ली वक्फ बोर्ड, वक्फ संपत्ति के किरायेदार और खरीददार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस तारा वितास्ता गंजू ने मामले की अगली सुनवाई 14 मई को करने का आदेश दिया। याचिका मस्जिद पड़ाव वाली मैनेजमेंट कमेटी ने

दायर की है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकीलव वजीह शफीक ने कहा कि शाहदरा के पश्चिमी रोहताश नगर स्थित मेन बाबरपुर रोड पर करीब 118 वर्ग गज की वक्फ संपत्ति गैरकानूनी तरीके से बेच दी गई है। उन्होंने कोर्ट से मांग की कि वक्फ संपत्ति को गैरकानूनी तरीके से बेचने और खरीदने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस, दिल्ली नगर निगम और दूसरे विभागों ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि वो इस मामले पर कार्रवाई करेंगे। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने इस संपत्ति को मेसर्स दयाल सिंह इंदरजीत सिंह के प्रोपराईटर दयाल सिंह को किराये पर दिया था।

डाक विभाग और एसबीआई म्यूचुअल फंड के बीच करार

नई दिल्ली

ग्राहक ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया को आसान बनाने के उद्देश्य से डाक विभाग और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार से अब एसबीआई म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ग्राहकों को केवाईसी के लिए डाकघर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, उन्हें घर बैठे यह सुविधा प्राप्त होगी। यह समझौता डाक भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ।

इसमें डाक विभाग की व्यवसाय विकास निदेशालय की महाप्रबंधक मनीषा बंसल बादल और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुनिश सभरवाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। डाक विभाग के पास देशभर में 1.64 लाख से अधिक डाकघरों का व्यापक नेटवर्क है, जो सबसे दूरदराज क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

वियतनाम में लगेगी सारनाथ के पवित्र बुद्ध अवशेष की प्रदर्शनी

नई दिल्ली

संस्कृति मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) पहली बार वियतनाम में सारनाथ के पवित्र बुद्ध अवशेष की प्रदर्शनी आयोजित करेगा। बुद्ध के पवित्र अवशेष को 01 मई को राष्ट्रीय संग्रहालय से वरिष्ठ भिक्षुओं द्वारा पूर्ण धार्मिक पवित्रता और प्रोटोकॉल के साथ भारतीय वायु सेना के विशेष विमान द्वारा हो ची मिन्ह सिटी ले जाया जाएगा। महासचिव वेन शार्त्से खेंसुर रिनपोछे जंगचुप चोएडेन के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें गवर्निंग काउंसिल के सदस्य शामिल हैं, वियतनाम में पवित्र प्रदर्शनी समारोहों और वेसाक समारोहों में भाग ले रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू करेंगे। संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र (यूएन) दिवस वेसाक के अवसर पर आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी के लिए पवित्र अवशेष को 30 अप्रैल को सारनाथ में मूलगंध कुटी विहार (मठ) वाराणसी से दिल्ली लाया जाएगा। कुटी विहार में शाक्यमुनि बुद्ध के पवित्र अवशेष रखे गए हैं। दिल्ली पहुंचने पर पवित्र अवशेष को 30 अप्रैल को शाम साढ़े पांच बजे राष्ट्रीय संग्रहालय में एक विशेष संरक्षित स्थान पर रखा जाएगा, जहां धम्म के अनुयायी प्रार्थना, मंत्रोच्चार और ध्यान करेंगे, जिसमें समुदाय के प्रतिष्ठित सदस्य और बौद्ध देशों के राजनयिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। अगले दिन, 1 मई को बुद्ध के पवित्र अवशेष को राष्ट्रीय संग्रहालय से वरिष्ठ भिक्षुओं द्वारा पूर्ण धार्मिक पवित्रता और प्रोटोकॉल के साथ भारतीय वायु सेना के विशेष विमान द्वारा हो ची मिन्ह सिटी ले जाया जाएगा। मंगलवार को राष्ट्रीय संग्रहालय के अतिरिक्त महानिदेशक आशीष गोयल ने बताया कि बुद्ध के पवित्र अवशेष को वियतनाम के चार शहरों में रखा जाएगा। 22 दिनों तक वियतनाम के चार स्थानों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। पहले वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर में हान ताम मठ में 2-8 मई तक, इसके बाद 9-13 मई, तक बा डेन माउंटेन, ताई निन्ह प्रांत में (दक्षिणी वियतनाम का राष्ट्रीय आध्यात्मिक तीर्थ स्थल), यहां से पवित्र अवशेष को 14-18 मई तक क्वान सू मठ, हनोई (वियतनाम बौद्ध संघ का मुख्यालय) में प्रदर्शनी के लिए रखा जाएगा। अंत में 18-21 मई तक ताम चुक मठ, हा नाम प्रांत में (दक्षिण पूर्व एशिया का सबसे बड़ा बौद्ध केंद्र) प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण प्रदर्शनी संयुक्त राष्ट्र (यूएन) वेसाक दिवस 2025 के अवसर पर शुरू हो रही है क्योंकि इस बार यह वियतनाम में मनाया जा रहा है, जो न केवल वियतनाम के नागरिकों के लिए पवित्र अवशेष का आशीर्वाद लेने का अवसर है।

सीसीपीए ने सेवा शुल्क वापस न करने पर दिल्ली के पांच रेस्तरां पर की कार्रवाई

नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिल्ली के पांच रेस्तरां मखना डेली, जेरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ कार्रवाई की है। इन रेस्तरां ने दिल्ली होई कोर्ट के आदेश के बावजूद अनिवार्य सेवा शुल्क की वापस नहीं किया। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत इन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। इनको सेवा शुल्क की राशि वापस करने का निर्देश दिया गया है। सीसीपीए ने 04 जुलाई 2022 को होटल और रेस्तरां में सेवा शुल्क के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए थे। ये दिशा-निर्देश उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए बनाए गए हैं।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397